लेखाशास्त्र

अध्याय-3: साझेदारी फर्म का पुनर्गठन.

साझेदार का प्रवेश

SHIVOM CLASSES 8696608541

साझेदारी फर्म

SHIVOM CLASSES 8696608541

भागीदारी या साझेदारी (partnership) व्यावसायिक संगठन का एक स व्यक्तियों का पारस्परिक संबंध है, जिसमें लाभ कमाने के उद्देश्य से एक व्यावसायिक उद्यम का गठन किया जाता है। वे व्यक्ति जो एक साथ मिलकर व्यवसाय करते है, उन्हें व्यक्तिगत रूप से 'साझेदारी' (पार्टनरशिप) और सामूहिक रूप से 'फर्म' कहा जाता है। जिस नाम से व्यवसाय किया जाता है उसे 'फर्म का नाम' कहते हैं। सुलतान एंड कंपनी, रामलाल एंड कंपनी, गुप्ता एंड कंपनी आदि कुछ फर्मों के नाम हैं।

साझेदारी फर्म, भारतीय साझेदारी अधिनियम, 1932 के प्रावधनों के अंतर्गत नियंत्रित होती है। भारतीय साझेदारी अधिनियम, 1932 की धरा 4 के अनुसार साझेदारी उन व्यक्तियों का आपसी संबंध है, जो उन सबके द्वारा या उन सबकी ओर से किसी एक साझेदार द्वारा संचालित व्यवसाय का लाभ आपस में बांटने के लिए सहमत होते हैं।

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

साझेदारी फर्म का पुनर्गठन

साझेदारी दो या दो से अधिक व्यक्तियों के मध्य एक समझौता है जो एक व्यवसाय के लाभों को बाँटने के लिए सहमत होते हैं, जिनका संचालन उन सबके द्वारा या उन सबकी ओर से उनमें से किसी के द्वारा किया जाता है। विद्यमान समझौते में किसी प्रकार का परिवर्तन, साझेदारी फर्म का पुनर्गठन कहलाता है।

व्यावसायिक संगठन के साझेदारी स्वरूप की विशेषताएँ

- दो या अधिक सदस्य : साझेदारी व्यवसाय के लिए कम से कम दो व्यक्तियों की आवश्यकता होती है। परंतु बैंकिंग व्यवसाय में यह संख्या 10 से और साधारण व्यवसाय में 20 से अधिक नहीं होनी चाहिए।
- अनुबंध : जब भी आप साझेदारी व्यवसाय शुरू करने के लिए दूसरों को साथ लेते हैं तो आप सबके बीच समझौता या अनुबंध होना जरूरी है। समझौते के विलेख (deed) में निम्नलिखित बातें सम्मिलित होती हैं :
  - प्रत्येक साझेदार द्वारा विनियोग की जाने वाली पूँजी की राशि,
  - लाभ-हानि के बंटवारे का अनुपात,
  - साझेदार को दिया जाने वाला वेतन या कमीशन (यदि दिया जाना हो),
  - व्यवसाय की अवधि,
  - फर्म तथा साझेदारों के नाम और पते,
  - प्रत्येक साझेदार के अधिकार और कर्त्तव्य,
  - व्यवसाय का स्वरूप और स्थान,
  - व्यवसाय के संचालन के लिए अन्य कोई भी शर्त।
- **वैध-व्यवसाय :** साझेदारों को सदैव वैध-व्यवसाय चलाने के लिए ही एक साथ कार्य करने चाहिए। तस्करी, कालाबाजारी इत्यादि को कानून दृष्टि से साझेदारी व्यवसाय नहीं माना जा सकता।

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

- **लाभ विभाजन :** प्रत्येक साझेदारी फर्म का मुख्य उद्देश्य व्यवसाय से होने वाले लाभ को तय किए गए अनुपात के अनुसार बांटना है। यदि साझेदारों में इस संबंध में कोई समझौता नहीं हुआ है तो लाभ साझेदारों में बराबर-बराबर बांटा जाता है।
- **असीमित देनदारी :** एकल स्वामित्व वाले व्यवसाय की तरह साझेदारी व्यवसाय में भी सदस्यों की देनदारी असीमित होती है। इस प्रकार यदि व्यवसाय के दायित्वों का भुगतान करने के लिए फर्म की सम्पतियां अपर्याप्त है, तो इसके लिए साझेदारों की निजी संपत्ति का उपयोग किया जा सकता है।
- **स्वैच्छिक पंजीकरण :** साझेदारी फर्म का पंजीकरण करना अनिवार्य नहीं है। हां, यदि आप फर्म का पंजीकरण नहीं कराते, तो आप कुछ लाभों से वंचित रह सकते हैं। इसलिए पंजीकरण करा लेना उचित होगा। पंजीकरण न कराने के कुछ बुरे परिणाम इस प्रकार हैं-
- आपकी फर्म दावों के निपटारे के लिए किसी दूसरी पार्टी के विरूद्ध कानूनी कार्रवाई नहीं कर सकती।
- यदि साझेदारों में आपस में कोई विवाद हो जाए तो इसके समाधन के लिए न्यायालय की सहायता नहीं ली जा सकती।
- आपकी फर्म बकाया या भुगतान के मामले में किसी दूसरी पार्टी से समायोजन का दावा न्यायालय में नहीं कर सकती।
- **स्वामी-एजेंट सम्बन्ध :** किसी भी फर्म के साझेदार व्यवसाय के संयुक्त स्वामी होते हैं। उन सबको इस फर्म के प्रबन्धन में सक्रिय रूप से भाग लेने का समान अधिकर है। प्रत्येक साझेदार फर्म के प्रतिनिधि के रूप में कार्य कर सकता है। जब कोई साझेदार किसी अन्य पक्ष से व्यवसाय संबंधी लेनदेन करता है तो वह अन्य साझेदारों के प्रतिनिधि के रूप में कार्य करता है और उसी समय अन्य साझेदार स्वामी बन जाते हैं इस प्रकार सभी साझेदारी फर्मों में साझेदारों के बीच आपस में स्वामी-एजेंट का संबंध होता है।
- **व्यापार की निरन्तरता :** साझेदारी फर्म के किसी साझेदार के मरने, पागल या दिवालिया हो जाने से फर्म का अंत हो जाता है। इसके अलावा भी फर्म के सभी साझेदार जब चाहें साझेदारी समाप्त कर फर्म भंग कर सकते हैं।

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

साझेदारी व्यवसाय के लाभ

- **सरल स्थापना :** एकल स्वामित्व की तरह साझेदारी व्यवसाय का गठन भी आसान है और इसके लिए किसी कानूनी औपचारिकता की आवश्यकता नहीं है। साझेदारी फर्म का पंजीकरण भी आवश्यक नहीं है। साझेदार आपस में मौखिक या लिखित अनुबंध के आधार पर साझेदारी फर्म का गठन कर सकते हैं।
- **अधिक संसाधनों की उपलब्धता :** चूंकि साझेदारी व्यवसाय का आरंम्भ दो या दो से अधिक व्यक्ति करते हैं, इसलिए इस व्यवसाय में एकल स्वामित्व की तुलना में अधिक पूँजी लगाई जा सकती है। एकल स्वामी की तुलना में साझेदार अधिक संसाध्न लगा सकते हैं। साझेदार अधिक पूँजी लगा सकते हैं तथा व्यवसाय के लिए अधिक श्रम और समय दे सकते हैं।
- **संतुलित निर्णय :** साझेदार ही व्यवसाय के स्वामी हैं। उनमें से प्रत्येक को व्यवसाय के प्रबंध में भाग लेने के समान अधिकर हैं। कोई मतभेद होने पर वे आपस में बैठ कर टकराव की स्थिति को टाल सकते हैं। इस व्यवसाय में सभी साझेदार आपस में मिल कर निर्णय लेते हैं। इसलिए निर्णय में जल्दबाजी और बिना सोचे समझे निर्णयों की गुंजाइश कम रहती है।
- **हानियों का विभाजन :** साझेदारी व्यवसाय में सभी साझेदार मिल कर जोखिम उठाते हैं। उदाहरण के लिए यदि किसी साझेदारी फर्म में तीन साझेदार हैं और लाभों को बराबर विभाजित करते हैं तथा किसी समय फर्म को 12,000 रूपए की हानि होती है तो तीनों साझेदार चार-चार हजार की हानि का बोझ उठाएंगें।

साझेदारी व्यवसाय की सीमाएँ

- **असीमित देनदारी :** सभी साझेदार फर्म के ऋणों के भुगतान के लिए संयुक्त रूप से और व्यक्तिगत रूप से भी असीमित स्तर तक उत्तरदायी होते हैं। इसलिए फर्म के ऋणों का भुगतान या तो सभी साझेदार मिलकर कर सकते हैं या फिर किसी एक साझेदार को अपनी व्यक्तिगत संपत्ति से सारे ऋणों का भुगतान करना पड़ सकता है।
- **अनिश्चित अस्तित्व :** साझेदारी व्यवसाय का अपने साझेदारों से अलग कोई कानूनी अस्तित्व नहीं होता। किसी भी साझेदार की मृत्यु, दिवालियापन, अक्षमता या उसकी सेवानिवृत्ति से

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

साझेदारी फर्म प्रायः समाप्त हो जाती है। इसके अतिरिक्त कोई भी असंतुष्ट साझेदार जब चाहे साझेदारी भंग करने का नोटिस दे सकता है।

- **सीमित पूँजी :** चूंकि साझेदारी व्यवसाय में साझेदारों की संख्या 20 से अधिक नहीं हो सकती, इसलिए इसमे ज्यादा पूँजी की व्यवस्था कर पाना कठिन है। अतः साझेदारी में कोई बड़ा व्यवसाय प्रारंभ करना संभव नहीं है।
- **शेयरों का हस्तान्तरण नहीं :** यदि आप किसी साझेदारी फर्म में हिस्सेदारी हैं तो दूसरे साझेदारों की सहमति के बिना आप किसी बाहरी पक्ष को अपना हित हस्तांतरित नहीं कर सकते। ऐसे में उस साझेदार को असुविध होती है, जो फर्म से अलग होना चाहता है या अपना शेयर दूसरों को बेचना चाहता है।

बलिदान अनुपात और लाभ अनुपात के बीच अंतर

बलिदान अनुपात पुराने साझेदारों द्वारा फर्म में प्रवेश करने वाले के पक्ष में किए गए लाभ के हिस्से के रूप में बलिदान का अनुपात है। दूसरी ओर, लाभ का अनुपात लाभ के हिस्से में लाभ का अनुपात है, जो जारी साझेदार द्वारा प्राप्त किया जाता है जब भागीदारों में से एक इस्तीफा दे देता है या फर्म छोड़ देता है ।

प्रॉफिट शेयरिंग रेशियो में बदलाव

प्रॉफिट शेयरिंग रेशियो (PSR) में बदलाव निम्नलिखित कारणों से होता है:

- एक साझेदार द्वारा दूसरे से लाभ का हिस्सा खरीदने से लाभ विभाजन अनुपात में परिवर्तन होता है।
- किसी भागीदार का प्रवेश या निकास
- सभी भागीदारों की आपसी सहमति

इसलिए, लाभ-साझाकरण अनुपात में परिवर्तन के कारण, कुछ भागीदारों को लाभ होता है और कुछ भागीदारों को हानि होती है। इसलिए, प्राप्त करने वाला भागीदार, पूंजी के रूप में राशि का भुगतान करके, खोने वाले भागीदार को क्षतिपूर्ति करता है।

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

तुलना के लिए आधार	बलिदान अनुपात	अनुपात प्राप्त करना
अर्थ	त्याग अनुपात उस अनुपात को संदर्भित करता है जिसमें फर्म के पुराने साझेदार आने वाले साझेदार के पक्ष में लाभ के अपने हिस्से को छोड़ देते हैं या आत्मसमर्पण कर देते हैं।	गेनिंग रेशियो से तात्पर्य उस अनुपात से है जिसमें फर्म के शेष भागीदार सेवानिवृत्त होने वाले साझेदार के लाभ के हिस्से को साझा करते हैं।
आयोजन	नए साझेदार का प्रवेश, एक भागीदार द्वारा अन्य भागीदारों से अर्जित शेयर या आपसी सहमति से लाभ बंटवारे के अनुपात में परिवर्तन।	किसी भागीदार की मृत्यु या सेवानिवृत्ति या आपसी सहमति से लाभ बंटवारे के अनुपात में परिवर्तन पर।
उद्देश्य	मौजूदा भागीदारों को देय ख्याति की राशि का पता लगाने के लिए, जब एक नया भागीदार फर्म में प्रवेश करता है।	रहने वाले भागीदारों द्वारा सेवानिवृत्त साझेदार को भुगतान की जाने वाली सद्भावना के हिस्से का पता लगाना।
पूंजी पर प्रभाव	नए साझेदार द्वारा फर्म को ख्याति के रूप में प्राप्त राशि से पुराने साझेदारों के पूंजी खातों में वृद्धि की जाएगी।	जो साझेदार सेवानिवृत्त होता है उसे ख्याति के लिए भुगतान किया जाता है और व्यापार में रहने वाले भागीदारों के पूंजी खातों को सद्भावना के रूप में भुगतान की गई राशि के साथ घटा दिया जाएगा।

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

तुलना के लिए आधार	बलिदान अनुपात	अनुपात प्राप्त करना
गणना विधि	पुराने अनुपात से नया अनुपात काट लिया जाता है।	पुराने अनुपात को नए अनुपात से काट लिया जाता है।

बलिदान अनुपात की परिभाषा

नए साझेदार के प्रवेश पर, पुराने साझेदारों को नए साझेदार को लेने के लिए अपने लाभ के हिस्से का व्यक्तिगत या सामूहिक रूप से त्याग करने की आवश्यकता होती है। यह बिल्कुल स्पष्ट है कि नए साझेदार को एक निश्चित हिस्सा देने के बाद, पुराने साझेदारों के बीच वितरण के लिए कम हिस्सा बचा रहता है। इसलिए, नए साझेदार का हिस्सा मौजूदा भागीदारों, या कभी-कभी किसी एक भागीदार के हिस्से को कम कर देगा।

अतः बलिदान अनुपात की गणना करते समय सबसे पहले प्रत्येक साथी द्वारा किये गये त्याग की गणना की जाती है और फिर उनके बलिदान का अनुपात निर्धारित किया जाता है।

दूसरे शब्दों में, एक नए साथी के प्रवेश के समय, पुराने साझेदार अपने हिस्से का एक निश्चित हिस्सा नए के पक्ष में छोड़ देते हैं। इसलिए, **जिस अनुपात में नए साझेदार पुराने साझेदार अपने लाभ के हिस्से का त्याग करते हैं, उसे त्याग अनुपात कहा जाता है** ।

बलिदान अनुपात का सूत्र

त्याग अनुपात = पुराना अनुपात - नया अनुपात

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

एक नए साथी का प्रवेश

एक नए साझेदार को फर्म में तभी प्रवेश दिया जाता है जब सभी मौजूदा साझेदार इससे सहमत हों। अतिरिक्त पूंजी की आवश्यकता होने पर या फर्म की प्रबंधकीय क्षमता को मजबूत करने के लिए एक नया भागीदार फर्म में प्रवेश करता है।

बलिदान अनुपात क्यों निर्धारित किया जाता है?

नए साझेदारों द्वारा फर्म को लाई गई ख्याति के प्रीमियम को पुराने साझेदारों में उसी अनुपात में विभाजित करने के लिए त्याग अनुपात निर्धारित किया जाता है। इसके अलावा, यह भी निर्धारित किया जा सकता है कि जब कोई एक भागीदार अन्य भागीदारों से हिस्सा प्राप्त करता है।

उदाहरण-

मान लीजिए कि एक फर्म अली और प्रिया में दो साझेदार हैं, जो लाभ और हानि को 3:2 के अनुपात में बाँटते हैं। वे श्रेया को व्यवसाय में स्वीकार करते हैं और लाभ और हानि के बंटवारे का नया अनुपात 3:2:1 है। तो, त्याग अनुपात होगा:

अली का बलिदान:

$$\frac{3}{5}-\frac{3}{6}=\frac{18-15}{30}=\frac{3}{30}$$

प्रिया का बलिदान:

$$\frac{2}{5}-\frac{2}{6}=\frac{12-10}{30}=\frac{2}{30}$$

अली और प्रिया के बीच बलिदान का अनुपात 3:2 . है

याद करने के लिए बिंदु

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

- दो अनुपातों की गणना का मुख्य उद्देश्य लाभ-साझाकरण अनुपात में परिवर्तन होने पर लाभ प्राप्त करने वाले भागीदारों द्वारा बलिदान करने वाले भागीदारों को वितरित की जाने वाली सद्भावना की मात्रा का पता लगाना है।
- साझेदारों के त्याग/लाभ की गणना के समय, जब सभी भागीदारों की सहमति से लाभ विभाजन अनुपात में परिवर्तन होता है, तो पुराने हिस्से से नया हिस्सा काट लिया जाता है। इसके अलावा, यदि प्राप्त परिणाम सकारात्मक है तो यह एक बलिदान है, यदि यह नकारात्मक है, तो यह लाभ का संकेत देता है।

अनुपात प्राप्त करने की परिभाषा

एक साझेदार की सेवानिवृत्ति के समय उसका हिस्सा शेष साझेदारों को हस्तांतरित कर दिया जाता है। तो, **लाभ अनुपात वह अनुपात है जिसमें निरंतर साझेदार सेवानिवृत्त होने वाले के हिस्से से लाभ प्राप्त करते हैं** ।

साझेदार के सेवानिवृत्त होने पर शेष साझेदारों को लाभ प्राप्त होता है। तो, लाभ-बंटवारा अनुपात जिसे सेवानिवृत्त भागीदार पीछे छोड़ देता है, फर्म के शेष भागीदारों द्वारा लिया जाता है। इसलिए, सेवानिवृत साझेदारों को निवृत्त होने वाले साझेदार के हिस्से में से एक निश्चित अनुपात प्राप्त होता है। शेष साझेदारों को यह अतिरिक्त हिस्सा, सेवानिवृत्त साझेदार के हिस्से में से, या तो पहले के सापेक्ष अनुपात में या एक सहमत अनुपात में प्राप्त होता है।इसके अलावा, इस अनुपात की गणना के उद्देश्य से, प्रत्येक शेष भागीदार का लाभ निर्धारित किया जाता है, जिसे अनुपात के रूप में दर्शाया जाता है। तो, हम कह सकते हैं कि

अनुपात प्राप्त करने का सूत्र

लाभ अनुपात = नया अनुपात - पुराना अनुपात

एक साथी की सेवानिवृत्ति

एक भागीदार की सेवानिवृत्ति तब हो सकती है जब सभी भागीदार इसके लिए अपनी सहमति दें, या जब कोई स्पष्ट समझौता हो, या नोटिस देकर।

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

लाभ अनुपात क्यों निर्धारित किया जाता है?

लाभ अनुपात के निर्धारण के पीछे का उद्देश्य प्रत्येक साझेदार द्वारा सद्भावना के भुगतान में किए जाने वाले योगदान की पहचान करना है, जो इस तरह की सेवानिवृत्ति से लाभान्वित होता है।

उदाहरण

मान लीजिए कि एक फर्म एडवर्ड, बिल और शर्ली में 3 साझेदार हैं, जिनका लाभ और हानि का अनुपात 5: 3: 2 है। बिल फर्म से सेवानिवृत्त होता है। बिल के सेवानिवृत्त होने के बाद, नया अनुपात जिसमें एडवर्ड और शर्ली लाभ और हानि साझा करेंगे, 2:1 है।

एडवर्ड का लाभ = नया अनुपात - पुराना अनुपात

$$\frac{2}{3}-\frac{5}{10}=\frac{20-15}{30}=\frac{5}{30}$$

शर्ली का लाभ = नया अनुपात - पुराना अनुपात

$$\frac{1}{3}-\frac{2}{10}=\frac{10-6}{30}=\frac{4}{30}$$

इस प्रकार, एडवर्ड और शर्ली का लाभ अनुपात 5:4 . है

बलिदान अनुपात और लाभ अनुपात के बीच महत्वपूर्ण अंतर

जैसा कि हमने उदाहरणों के साथ इन दोनों अनुपातों के अर्थ और सूत्र पर चर्चा की है, आइए हम अनुपात और लाभ अनुपात के बीच के अंतर को विस्तार से समझते हैं:

1. त्याग अनुपात पुराने भागीदारों के लाभ विभाजन अनुपात में कमी के अनुपात को इंगित करता है जब एक नया भागीदार फर्म में शामिल होता है। इसके विपरीत, लाभ अनुपात का तात्पर्य सेवानिवृत्त साझेदार के हिस्से में से जारी साझेदारों के लाभ-साझाकरण अनुपात में वृद्धि के अनुपात से है।
2. त्याग अनुपात की गणना मौजूदा भागीदारों को देय ख्याति की राशि निर्धारित करने के लिए की जाती है जब एक नया भागीदार फर्म में प्रवेश करता है। इसके विपरीत, लाभ के अनुपात

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

की गणना, रहने वाले भागीदारों द्वारा सेवानिवृत्त साझेदार को भुगतान की जाने वाली सद्भावना के हिस्से का पता लगाने के लिए की जाती है।

3. त्याग अनुपात की गणना तब की जाती है जब एक नए भागीदार को फर्म में भर्ती किया जाता है। दूसरी ओर, लाभ अनुपात की गणना तब की जाती है जब एक भागीदार फर्म से सेवानिवृत्ति लेता है।
4. त्याग अनुपात की गणना करने के लिए पुराने अनुपात को नए अनुपात से घटा दिया जाता है, जबकि लाभ अनुपात की गणना के लिए पुराने अनुपात से नया अनुपात घटा दिया जाता है।
5. पूंजी पर, बलिदान का प्रभाव यह है कि पुराने भागीदारों के पूंजी खातों में वृद्धि होगी, नए साझेदार द्वारा फर्म को लाए गए सद्भावना के रूप में प्राप्त राशि के साथ। इसके विपरीत, लाभ का पूंजी पर प्रभाव यह है कि सेवानिवृत्त होने वाले साथी को सद्भावना के लिए भुगतान किया जाता है और व्यापार में रहने वाले भागीदारों के पूंजी खातों को प्रत्येक भागीदार द्वारा सद्भावना के रूप में भुगतान की गई राशि के साथ कम कर दिया जाएगा।

उदाहरण

डेविड, पीटर और जेन एक फर्म के तीन साझेदार हैं जो लाभ और हानि को 3:2:1 के अनुपात में बाँटते हैं। अनुपात में परिवर्तन के कारण प्रत्येक भागीदार का त्याग या लाभ।

दाऊद का बलिदान/लाभ :

पुराना अनुपात-नया अनुपात

$$\frac{2}{6}-\frac{2}{5}=\frac{15-12}{30}=\frac{3}{30}\ (\text{Sacrifice})$$

पतरस का बलिदान/लाभ :

पुराना अनुपात-नया अनुपात

$$\frac{2}{6}-\frac{2}{5}=\frac{10-12}{30}=\frac{-2}{30}\ (\text{Gain})$$

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

झेन का बलिदान/लाभ :

पुराना अनुपात - नया अनुपात

$$\frac{1}{6}-\frac{1}{5}=\frac{5-6}{30}=\frac{-1}{30}\ (\text{Gain})$$

लाभ अनुपात का योग बलिदान अनुपात के योग के बराबर होगा।

बलिदान अनुपात और लाभ अनुपात के बीच महत्वपूर्ण अंतर

जैसा कि हमने उदाहरणों के साथ इन दोनों अनुपातों के अर्थ और सूत्र पर चर्चा की है, आइए हम अनुपात और लाभ अनुपात के बीच के अंतर को विस्तार से समझते हैं:

1. त्याग अनुपात पुराने भागीदारों के लाभ विभाजन अनुपात में कमी के अनुपात को इंगित करता है जब एक नया भागीदार फर्म में शामिल होता है। इसके विपरीत, लाभ अनुपात का तात्पर्य सेवानिवृत्त साझेदार के हिस्से में से जारी साझेदारों के लाभ-साझाकरण अनुपात में वृद्धि के अनुपात से है।
2. त्याग अनुपात की गणना मौजूदा भागीदारों को देय ख्याति की राशि निर्धारित करने के लिए की जाती है जब एक नया भागीदार फर्म में प्रवेश करता है। इसके विपरीत, लाभ के अनुपात की गणना, रहने वाले भागीदारों द्वारा सेवानिवृत्त साझेदार को भुगतान की जाने वाली सद्भावना के हिस्से का पता लगाने के लिए की जाती है।
3. त्याग अनुपात की गणना तब की जाती है जब एक नए भागीदार को फर्म में भर्ती किया जाता है। दूसरी ओर, लाभ अनुपात की गणना तब की जाती है जब एक भागीदार फर्म से सेवानिवृत्ति लेता है।
4. त्याग अनुपात की गणना करने के लिए पुराने अनुपात को नए अनुपात से घटा दिया जाता है, जबकि लाभ अनुपात की गणना के लिए पुराने अनुपात से नया अनुपात घटा दिया जाता है।
5. पूंजी पर, बलिदान का प्रभाव यह है कि पुराने भागीदारों के पूंजी खातों में वृद्धि होगी, नए साझेदार द्वारा फर्म को लाए गए सद्भावना के रूप में प्राप्त राशि के साथ। इसके विपरीत, लाभ का पूंजी पर प्रभाव यह है कि सेवानिवृत्त होने वाले साथी को सद्भावना के लिए भुगतान

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

किया जाता है और व्यापार में रहने वाले भागीदारों के पूंजी खातों को प्रत्येक भागीदार द्वारा सद्भावना के रूप में भुगतान की गई राशि के साथ कम कर दिया जाएगा।

उदाहरण

डेविड, पीटर और जेन एक फर्म के तीन साझेदार हैं जो लाभ और हानि को 3:2:1 के अनुपात में बाँटते हैं। अनुपात में परिवर्तन के कारण प्रत्येक भागीदार का त्याग या लाभ।

दाऊद का बलिदान/लाभ :

पुराना अनुपात-नया अनुपात $\frac{2}{6}-\frac{2}{5}=\frac{15-12}{30}=\frac{3}{30}$ (Sacrifice)

पतरस का बलिदान/लाभ :

पुराना अनुपात-नया अनुपात $\frac{2}{6}-\frac{2}{5}=\frac{10-12}{30}=\frac{-2}{30}$ (Gain)

झेन का बलिदान/लाभ :

पुराना अनुपात - नया अनुपात

$$\frac{1}{6}-\frac{1}{5}=\frac{5-6}{30}=\frac{-1}{30}\ (\text{Gain})$$

लाभ अनुपात का योग बलिदान अनुपात के योग के बराबर होगा।

जर्नल प्रविष्टि

बलिदान अनुपात

Date	Particulars	L.F.	Debit Amount	Credit Amount
	New Partner's Capital A/c Dr.			
	To Old Partner's Capital A/c			

अनुपात प्राप्त करना

Date	Particulars	L.F.	Debit Amount	Credit Amount
	Remaining Partner's Capital A/c Dr.			
	To Retiring Partner's Capital A/c			

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

ख्याति

सरल शब्दों में ख्याति से हमारा आशय व्यवसाय की प्रसिद्धि के मूल्य से होता है। ख्याति एक संपत्ती हैं जिसे देखा नही जा सकता। ख्याति वह आकर्षण हैं जो ग्राहकों को अपनी और खीच लेती हैं।

ख्याति का वर्णन करना जितना आसान है उतना ही अधिक कठिन उसे परिभाषित करना है। व्यापारिक दृष्टिकोण से ख्याति को एक ऐसे तत्व के रूप में माना जा सकता है जिसके कारण अथवा जिसके द्वारा व्यवसाय में विनियोग की पूंजी पर सामान्य से अधिक लाभ कमाया जा सकता है।

ख्याति के मूल्यांकन की विधियां

ख्याति व्यवसाय की एक अदृश्य सम्पत्ति है, इसलिये इसका वास्तविक मूल्यांकन असंभव है। इसके सम्बंध में सिर्फ अनुमान लगाया जा सकता है। ख्याति का मूल्यांकन करना कुछ परिस्थितियों में आवश्यक हो जाता है। ख्याति का मूल्यांकन दो आधार पर किया जा सकता हैं--

औसत लाभ तथा अधिलाभ

आशंसित लाभ से हमारा आशय उस लाभ से है जिसे भविष्य में कायम रखा जा सकता है तथा अधिलाभ से हमारा आशय उस लाभ से होता है जो आशंसित लाभ अथवा सामान्य लाभ पर आधिक्य होता है ।

उपरोक्त दोनों आधारों में से किसी एक को आधार मानकर निम्नलिखित विधियों में से किसी एक विधि से ख्याति का मूल्यांकन किया जा सकता है।

ख्याति के मूल्यांकन की प्रमुख विधियां निम्नलिखित हैं--

1. औसत लाभ विधि

इस विधि के अनुसार पिछले कुछ लाभों को जोड़कर औसत ज्ञात किया जाता है और इस औसत को कुल वर्षो के क्रय के बराबर करके ख्याति मूल्य ज्ञात किया जाता है। यह औसत दो प्रकार से ज्ञात किया जा सकता है-

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

(अ) सरल औसत- इसके लिये जितने वर्षों के लाभ जोड़े गये हैं, उतने से भाग किया जाता है ।

(ब) भारित औसत- भारित औसत ज्ञात करने के लिये सर्वप्रथम भार तय किये जाते हैं। यह भार प्रथम वर्ष के लिये, द्वितीय वर्ष के लिये, तृतीय वर्ष के लिये और इसी प्रकार अगामी वर्ष के लिये मान लिये जाते हैं। इसके फाद सम्बन्धित वर्षो का इन भारों से गुणा किया जाता है। अन्त में गुणा किये हुये लाभों को जोड़कर भारों के योग से भाग करने पर भारित औसत ज्ञात कर लिया जाता है।

2. अधिलाभ विधि

इस विधि के अनुसार फर्म में जो पूंजी लगायी गयी है, उतनी ही पूंजी पर अन्य दूसरी फमर्म जिस दर से लाभ कमा रही हो, उस दर से यदि फर्म का लाभ अधिक है, (जिसकी ख्याति की गणना की जा रही है) तो यह अतिरिक्त लाभ कहलाता है तथा यह फर्म की विशेषता के कारण ही होता है । प्रायः लेखापाल इसकी गणना औसत लाभ के ब्याज की दर से करते हैं। औसत लाभ का ब्याज के ऊपर जितना आधिक्य होता है, उसे ही अधिलाभ कहते हैं। इस अधिलाभ को साझेदारी संलेख में निश्चित की गयी किसी संख्या से गुणा करते हैं। इस प्रकार से ख्याति का मूल्यांकन किया जा सकता है।

3. पूंजीकरण विधि

इस विधि से ख्याति के मूल्यांकन हेतु लाभों का पूंजीकरण किया जाता है तथा लाभों के पूंजीकरण हेतु ब्याज की सामान्य लाभ-दर का प्रयोग किया जाता है। पूंजीकरण से आशय यह है कि सामान्य ब्याज की दर से एक अमुक लाभ की रकम पाने के लियें कितनी पूंजी की आवश्यकता होगी? पूंजीकरण निर्धारित लाभ व अधिलाभ दोनों का ही किया जा सकता है। इस विधि द्वारा ख्याति का मूल्यांकन अधिलाभांश के आधार पर किया जाता है। इसमें औसत लाभों को 100 से गुणा करके तथा इसी प्रकार अन्य फर्मो की सामान्य लाभ-दर से भाग देकर उसमें में शुद्ध सम्पत्तियों को घटा दिया जाता है और इस प्रकार बची हुयी राशि ख्याति कहलाती है।

4. वार्षिकी विधि

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

इस विधि में एक उचित अवधि के लिये एक निर्धारित दर पर अधिलाभांश की राशि का वर्तमान मूल्य निकाला जाता है। यह मूल्य वार्षिकी सारणी से या सूत्र द्वारा ज्ञात किया जा सकता है। यही मूल्य ख्याति का मूल्य होता है। यदि औसत साधारण लाभ को अधिलाभ के स्थान पर वार्षिकी माना जाता है तो इस औसत साधारण लाभ का वार्षिकी सारणी या सूत्र द्वारा वर्तमान मूल्य निकाला जाता है। इस मूल्य में से शुद्ध सम्पत्तियों का मूल्य अथवा लगायी गयी पूंजी को घटाने के बाद ख्याति की राशि ज्ञात की जाती है।

ख्याति के मूल्यांकन की दशायें

1. कम्पनी की दशा में

(अ) जब दो कम्पनियें का एकीकरण हों ।

(ब) जब एक कम्पनी दूसरी कम्पनी का संविलयन करे।

(स) जब अंशों का मूल्यांकन करारोपण के उद्देश्य से किया जाये और स्कंध विपणि के द्वारा अंशों का मूल्य उपलब्ध न हो।

(द) जब कम्पनी ने पहले ख्याति को अपलिखित कर दिया हो और लाभ-हानि खाते की डेबिट बाकी को कम करने के लिए ख्याति का फिर से बनाया जाना आवश्यक हो।

(ई) कम्पनी पर नियंत्रण करने के लिए कम्पनी के अधिक अंश क्रय करने पर।

(फ) कम्पनी की बिक्री पर।

(ज) अन्य दशाओं के क्रय करने पर।

2. एक साझेदारी संस्था की दशा में

(अ) साझेदार के प्रवेश, अवकाश ग्रहण, मृत्यु की दशा में।

(ब) साझेदार के लाभ, अनुपात में परिवर्तन होने पर।

(स) साझेदारी व्यवसाय की बिक्री पर।

(द) साझेदारी को कम्पनी में परिवर्तित करने पर।

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

(ई) साझेदारी संस्थाओं के एकीकरण पर।

3. अन्य दशाओं में

(अ) व्यापारी की मृत्यु पर सम्पत्ति कर लगने पर।

(ब) किसी व्यापार को सरकार द्वारा अनिवार्य योजना के अन्तर्गत लेने पर।

(स) एक व्यवसाय की बिक्रि होने पर।

(द) व्यवसाय के पुनर्संगठित होने पर।

(ई) एकाकी व्यापारी द्वारा किसी अन्य व्यक्ति को साझेदार बनाने पर।

ख्याति के मूल्यांकन पर प्रभाव डालने वाले तथ्य

उपर्युक्त विवरण से स्पष्ट है कि विक्रेता एवं क्रेता दोनो ही भविष्य के लाभों को ख्याति के मूल्यांकन का आधार बनाते हैं, परन्तु वास्तव में इसके अतिरिक्त अन्य बहुत-से तथ्य हैं जिनका विचार ख्याति के मूल्यांकन के समय किया जाता है। इनमें से प्रमुख तथ्यों का वर्णन आगे किया गया है-

(अ) आन्तरिक तथ्य

आन्तरिक तथ्यों के अन्तर्गत निम्नांकित आते है:-

1. **ख्याति को बनाने में किये गये व्यय** लगातार ख्याति वृद्धि के लिए किये गये व्ययों द्वारा ख्याति बढ़ती है ।
2. **प्रबन्ध पर किया गया व्यय-** यदि प्रबन्ध पर विशेष प्रकार के व्यय किये गये हैं और व्यापार क्रय किये जाने के पश्चात् नये क्रेता की योग्यता एवं क्षमता के कारण इन व्ययों के कम होने की आशा है तो लाभ बढ़ेगें और अधिक लाभ होने पर ख्याति का अधिक मूल्य होगा । यदि क्रेता यह समझता है कि प्रबन्ध के वर्तमान व्ययों के अतिरिक्त कुछ अन्य व्यय भी उसे करने पड़ेंगे और उनकी तुलना में लाभ में कोई वृद्धि नहीं होगी तो लाभ कम हो जायेंगे, अतः ख्याति का मूल्य भी कम हो जायेगा। कुशल प्रबन्धक ख्याति बढ़ाते हैं।

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

3. **पूंजी का प्रयोग-** कितनी पूंजी की आवश्यकता पड़ेंगी यह तथ्य ख्याति के मूल्यांकन में एक विशेष महत्त्व रखता है । यदि अनुमानित लाभ प्राप्त करने के लिए लाभों की तुलना में अत्यधिक पूंजी लगानी पड़ेगी तो ख्याति का मूल्य कम होगा और यदि कम पूंजी लगाकर ही अधिक लाभ प्राप्त किये जा सकते हैं तो ख्याति का मूल्य अधिक होता है ।
4. **पेटेण्ट या ट्रेडमार्क का प्रयोग-** यदि विक्रेता कम्पनी के पास कोई ऐसा ट्रेडमार्क या पेटेण्ट है जिसके आधार पर वह ख्याति का मूल्य निर्धारित करता है तो क्रेता को यह देखना पड़ता है कि इस पेटेंण्ट या ट्रेडमार्क का प्रयोग भविष्य में कितने वर्षो तक किया जा सकता है । जितने ही अधिक वर्षो तक इनके प्रयोग करने का अधिकार होगा ख्याति का मूल्य उतना ही अधिक होगा और जितने ही कम वर्षो के लिए इनके प्रयोग करने का अधिकार होगा ख्याति का मूल्य उतना ही कम होगा।
5. **व्यवसाय में जोखिम-** यदि व्यवसाय में जोखिम कम है तो ख्याति का मूल्य व्यवसायों की तुलना में अधिक होता है जिनमें जोखिम अधिक होती है।
6. **अच्छी किस्म के माल का निर्माण-** यदि अच्छी किस्म के माल के निर्माण प्रयत्न किया जाता है तो ख्याति बढ़ती है ।
7. **लाभ-** यदि व्यवसाय में अधिक लाभ उपार्जन होता है तो इसकी ख्याति अधिक होती है ।
8. **नाम-** व्यवसाय के एक विशेष प्रकार के नाम के कारण भी इसकी बिक्री बढ़ती है अतः नाम का निर्धारण अत्यन्त सतर्कता से किया जाता है और कुछ व्यवसायों की बिक्री इसलिए कम होती है क्योंकि उनके नाम किसी विशेष जाति या धर्म के आधार पर होते है ।
9. **अवधि-** कुछ दशाओं में व्यवसाय की आयु भी इसकी ख्याति वृद्धि में सहायक होती है।
10. **नियोक्ता एवं कर्मचारी के सम्बंध-** जिस व्यवसाय में नियोक्ता एवं कर्मचारी के सम्बंध अच्छे होते हैं उसमें ख्याति का मूल्य अधिक होता है।

(ब) बाह्य तथ्य

इनके अन्तर्गत निम्नलिखित तथ्य आते हैं--

1. **ग्राहकों का दृष्टिकोण-** यदि ग्राहकों का दृष्टिकोण व्यापार के प्रति ठीक है तो ख्याति बढ़ती रहती है लेकिन यह दृष्टिकोण व्यापार के स्वभाव एवं कार्यक्षमता पर आधारित होता है।

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

2. **ठहराव-** यदि व्यवसाय के बाहरी व्यक्तियों एवं संस्थाओं से जो ठहराव किये गये हैं वे अनुकूल हैं तथा उचित है और सबका ठीक प्रकार कार्यान्वयन हो रहा है तो ख्याति का मूल्य बढ़ता है ।
3. **प्रतिस्पर्द्धा-** यदि व्यवसाय के प्रतिस्पर्द्धा करने वाले बढ़ रहे हैं तो इसका ख्याति पर प्रभाव अवश्य पड़ता है । प्रतिस्पर्द्धा होने से सदैव ख्याति घटती नहीं है, कभी-कभी इससे ख्याति बढ़ती भी है क्योंकि प्रतिस्पर्द्धा रखने वालों के होने से आपके व्यवसाय की अच्छाइयों दूसरों के समक्ष जल्दी आती हैं ।
4. **साख मिलने की सुविधा-** साख मिलने की सुविधा होने पर ख्याति का मूल्य बढ़ सकता है।
5. **जनता का दृष्टिकोण-** व्यवसाय के प्रति आम जनता का दृष्टिकोण यदि अनुकूल होता है तो ख्याति बढ़ती है । यह दृष्टिकोण आन्तरिक एवं बाह्य दोनों कारकों पर निर्भर करता है ।
6. **अमूर्त सम्पत्ति-** ख्याति का मूल्यांकन अन्य सम्पत्तियों के मूल्यांकन की तरह नहीं किया जाता है क्योंकि अन्य सम्पत्तियों का उनके रूप एवं स्वभाव के कारण बाजार मूल्य होता है । इनके मूल्यों का ज्ञान विभिन्न बाजारों से ज्ञात किया जा सकता है, परन्तु ख्याति एक अमूर्त सम्पत्ति है जिसका न तो कोई स्वरूप है और न कोई बाजारू मूल्य। अतः इसका मूल्यांकन अधिकतर आपसी समझौते द्वारा किया जाता है। इसके मूल्यांकन के लिए कोई प्रमाप निर्धारित नहीं है जिसके आधार पर इसके मूल्यांकन की जांच करने में सहायता मिले। यद्यपि कुछ विधियों के द्वारा इसका मूल्यांकन किया जा सकता है।
7. **राजनीतिक संरक्षण-** यदि व्यापार ऐसा है जिसे राजनीतिक संरक्षण प्राप्त है या प्राप्त होने की आशा है तो व्यवसाय को निश्चित रूप से अधिक लाभ होगा और ख्याति मूल्य भी अधिक होगा।
8. **सरकारी संरक्षण-** उपर्युक्त वर्णित राजनीतिक संरक्षण और सरकारी संरक्षण का अन्तर समझना इस सम्बंध में आवश्यक प्रतीत होता है। राजनीतिक संरक्षण का आशय यहां राजनीतिक दलों का उस व्यवसाय के साथ एक विशेष प्रकार का सम्बंध है। यदि व्यवसाय एक ऐसे राजनीतिक दल द्वारा चलाया जा रहा है जिसका विरोध सरकार करती है तो भविष्य में इस व्यवसाय में कम लाभ प्राप्त होंगे तथा इसकी प्रगति की सम्भावनाएं भी कम होंगी।

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

9. **हस्तान्तरण की आशा-** यदि ख्याति के हस्तान्तरण किये जाने की आशा है तो इसका अधिक मूल्य होता है और यदि यह हस्तान्तरण नहीं किया जा सकता है तो इसका मूल्य कम होगा।

साझेदारी में पूंजी का समायोजन

साझेदारी में पूंजी के समायोजन (Adjustment of Capital) का अर्थ है, साझेदारों द्वारा तय किए गए नए लाभ बंटवारे के अनुपात के अनुसार पूंजी का हिस्सा बनाना। यदि साझेदारी में पहले से निवेश की गई राशि की तुलना में अधिक पूंजी की आवश्यकता होगी या पूंजी की कम राशि होगी तो साझेदार क्रमशः पूंजी के अपने हिस्से को नकद में पेश करेंगे या वापस लेंगे।

साझेदार के पूँजी खाते के आवश्यक शेष को बदल दिया जाता है क्योंकि साझेदारी फर्म के पुनर्गठन (reconstitution of partnership) के समय नए लाभ विभाजन अनुपात की गणना की जाती है और सभी पुराने आरक्षित या संचित लाभ / हानि, संपत्ति और देनदारियों के पुनर्मूल्यांकन के अंतर को सभी भागीदारों में विभाजित किया जाता है (नए साझेदार के प्रवेश के मामले में पुराने साझेदार) अपने पुराने अनुपात में। यदि एक भागीदार अपने लाभ के हिस्से का त्याग करता है तो उसे अन्य सभी लाभ प्राप्त करने वाले भागीदारों द्वारा भुगतान किया जाएगा। तो, उसके पूंजी खाते की शेष राशि में वृद्धि होगी और फर्म में उसके लाभ के हिस्से के अनुसार आवश्यक शेष राशि से अधिक होगी तो वह केवल पूंजी की आवश्यकता को पूरा करने के लिए पूंजी के हिस्से की निकासी करेगा।

पूंजी के समायोजन के लिए जर्नल प्रविष्टियाँ

Date	Particulars	L. F.	Debit	Credit
(i) For excess capital withdrawn by the partner				

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

	Partners' Capital A/c	Dr.		XXXX	
	To Cash/Bank A/c				XXXX
	(Being excess capital withdrawn by the partners)				
(ii) For the amount of capital introduced by the partner					
	Cash/Bank A/c	Dr.		XXXX	
	To Partners' Capital A/c				XXXX
	(Being adjustment made for transfer the balance of revaluation a/c to retiring partners' capital/current a/c)				

SHIVOM CLASSES 8696608541

साझारी के प्रवेश के समय नया लाभ विभाजन

नया लाभ विभाजन अनुपात (New Profit Sharing Ratio)- नये साझेदार के प्रवेश से पुराने साझेदारों का लाभ प्रभावित होता है। वह अपने लाभ का हिस्सा पुराने साझेदारों से ही प्राप्त करता है। अतः नये लाभ-विभाजन अनुपात की गणना आवश्यक होती है। साझेदारों के पारस्परिक समझौते के आधार पर इसकी गणना निम्न में से किसी भी एक विधि द्वारा की जा सकती-

(A) जब नये साझेदार के लाभ का भाग पुराने साझेदार अपने विद्यमान लाभ-हानि अनुपात में त्याग करते हो।

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

(B) जब नये साझेदार के लाभ का भाग पुराने साझेदार समान बराबर अनुपात में त्याग करते हो ।

(C) जब नये साझेदार के लाभ का भाग पुराने साझेदार असमान अनुपात में त्याग करते हों।

(D) जब नया साझेदार अपना भाग किसी एक साझेदार से प्राप्त करता हो।

(A) जब नये साझेदार के लाभ का भाग पुराने साझेदार अपने विद्यमान लाभ-हानि अनुपात में त्याग करते हो-

नये साझेदार के प्रवेश से पुराने साझेदारों के लाभ विभाजन अनुपात में कोई परिवर्तन न होने पर नये लाभ-हानि विभाजन अनुपात की गणना निम्नानुसार होगी-

- **प्रथम चरण :** फर्म के सम्पूर्ण लाभ को 1 रु. मानकर उसमें से नये साझेदार के लाभ का भाग घटा दिया जाए।
- **द्वितीय चरण :** शेष भाग पुराने साझेदारों के मध्य वितरित करने के लिए पुराने साझेदारों के पुराने लाभ-हानि विभाजन अनुपात को भिन्न में परिवर्तित कर उसका शेष भाग से गुणा किया जाये।
- **तृतीय चरण :** प्राप्त गुणनफल को नये साझेदार के भाग के साथ अनुपात में प्रकट किया जाये।

यह स्थिति प्रायः उस समय उत्पन्न होती है जब प्रश्न में केवल नये साझेदार के लाभ के भाग का उल्लेख हो तथा पुराने साझेदारों के त्याग की राशि का उल्लेख न हो।

(B) जब नये साझेदार के लाभ का भाग पुराने साझेदार समान/बराबर अनुपात में त्याग करते हों-

यदि नया साझेदार अपना हिस्सा पुराने साझेदारों से समान अनुपात में प्राप्त करता हो, तो पुराने साझेदारों के पुराने अनुपात में त्याग का भाग घटाकर नये **अनुपात** की गणना निम्नानुसार होगी

- **प्रथम चरण :** नये साझेदार के भाग को पुराने साझेदारों के मध्य बराबर अनुपात में बाँट दिया जाए। यह भाग त्याग अनुपात होगा।

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

- **द्वितीय चरण :** पुराने साझेदारों के पुराने लाभ विभाजन अनुपात को भिन्न में परिवर्तित कर उसमें त्याग का भाग घटा दिया जाए।
- **तृतीय चरण :** घटाने के पश्चात् पुराने साझेदारों के शेष भाग में नये साझेदार का हिस्सा लेकर उसे अनुपात में प्रकट कर दिया जाए। यही अनुपात नया लाभ विभाजन अनुपात होगा।

(C) जब नये साझेदार के लाभ का भाग पुराने साझेदार असमान अनुपात में त्याग करते हों-

यदि नया साझेदार अपना लाभ का भाग पुराने साझेदारों से असमान अनुपात में प्राप्त करता हो तो ऐसी स्थिति में पुराने साझेदारों के लाभ-हानि अनुपात में उनके त्याग का भाग घटाकर नये लाभ-हानि अनुपात की गणना निम्नानुसार होगी :

- **प्रथम चरण-** नये साझेदार के भाग को पुराने साझेदारों के मध्य प्रश्न में दिये गये त्याग अनुपात के अनुसार बराबर बाँट दिया जाये।
- **द्वितीय चरण-** पुराने साझेदार के पुराने लाभ वेभाजन अनुपात को भिन्न में परिवर्तित कर उसमें प्रथम चरण का त्याग अनुपात का भाग घटा दिया जाए।
- **तृतीय चरण-** घटाने के पश्चात् पुराने साझेदारों के शेष भाग में नये साझेदार का हिस्सा लेकर उसे अनुपात में प्रकट कर दिया जाए। यही अनुपात नया लाभ विभाजन होगा।

(D) जब नया साझेदार अपना भाग किसी एक साझेदार से प्राप्त करता हो :

ऐसी स्थिति में नये साझेदार के लाभ का पूरा भाग किसी एक पुराने साझेदार के लाभ में से घटाकर नये लाभ विभाजन अनुपात की गणना निम्नानुसार होगी :

- **प्रथम चरण-** नये साझेदार के भाग को केवल त्याग करने वाले साझेदार के लाभ में से घटाया जाए।
- **द्वितीय चरण-** त्याग करने वाले साझेदार के लाभ के शेष भाग के साथ शेष पुराने साझेदारों के लाभ का पुराना भाग तथा नये साझेदार के लाभ का भाग लेकर उसे अनुपात प्रकट कर दिया जाए।

यही अनुपात नया लाभ विभाजन अनुपात होगा इसमें शेष पुराने साझेदारों के भाग में कोई परिवर्तन नही होता।

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

- **त्याग अनुपात (Sacrifice Ratio)-** "पुराने साझेदारों के मध्य लाभ-विभाजन में हुई आनुपातिक कमी त्याग अनुपात कहलाती है।"
- **दूसरे शब्दों में-** "पुराने साझेदारों के पुराने तथा नये लाभ विभाजन अनुपात का अन्तर ही त्याग अनुपात है।"

त्याग अनुपात = पुराना अनुपात – नया अनुपात

साझेदार की मृत्यु

साझेदारी फर्म में किसी साझेदार की कभी भी मृत्यु हो सकती है। उसकी मृत्यु के बाद साझेदारी अनुबन्ध के अनुसार साझेदारी फर्म अपना व्यवसाय संचालित करती रहती है। वस्तुतः किसी साझेदर की मृत्यु साझेदारी को भंग करता है पर इसका परिणाम साझेदारी फर्म का पुनर्गठन है।

किसी साझेदार की मृत्यु हो जाने पर साझेदारी फर्म के द्वारा मृतक को देय राशि प्राप्त करने के अधिकारी उसके उत्तराधिकारी होते हैं। साझेदारी अनुबन्ध से यह व्यवस्था कर दी जाती है कि किसी साझेदार की मृत्यु की स्थिति में उसकी राशि की गणना और उसका भुगतान किस ढंग से किया जाएगा। साझेदारी अनुबन्ध के अभाव में भारतीय साझेदारी अधिनियम 1932 की धारा 37 लागू होती है।

लेखांकन दृष्टिकोण से किसी साझेदार की मृत्यु का अर्थ है- स्थायी अवकाश ग्रहण। इस कारण किसी साझेदार के अवकाश ग्रहण के समय किए गए सभी लेखे, समयोजनाएं और लेखांकन के नियम साझेदार की मृत्यु के समय भी किए जाते हैं। इसके अतिरिक्त अन्तिम आर्थिक चिट्ठा बनाने की तिथि से लेकर मृत्यु की तिथि तक साझेदारी फर्म के लाभ में हिस्सा और संयुक्त जीवन बीमा पत्र में हिस्सा सम्बन्धित विशिष्ट समस्या भी आती है।

नया लाभ विभाजन अनुपात

उदाहरण

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

सुमित का भाग = $\frac{1}{5}$

शेष भाग = $1-\frac{1}{5} = \frac{4}{5}$

अनिल का नया भाग = $\frac{4}{5}$ का $\frac{3}{5} = \frac{12}{25}$

विशाल का नया भाग = $\frac{4}{5}$ का $\frac{2}{5} = \frac{8}{25}$

अनिल, विशाल और सुमित का नया लाभ विभाजन 12 : 8 : 5 होगा।

टिप्पणी: यह माना गया है कि नया साझेदार अपना भाग पुराने साझेदारों से पुराने अनुपात में लेता है।

उदाहरण

अक्षय और भारती साझेदार हैं और 3 : 2 के अनुपात में लाभ विभाजित करते है। वे दिनेश को 1/5 भाग के लिए फर्म में प्रवेश देते हैं जिसे वह अक्षय और भारती से बराबर अनुपात में प्राप्त करता है। अक्षय, भारती और दिनेश के नए लाभ विभाजन अनुपात की गणना कीजिए।

हल

दिनेश का भाग = $\frac{1}{5}$ या $\frac{2}{10}$

अक्षय का भाग = $\frac{3}{5}-\frac{1}{10}=\frac{5}{10}$

भारती का भाग = $\frac{2}{5}-\frac{1}{10}=\frac{3}{10}$

अक्षय, भारती और दिनेश के बीच नया लाभ विभाजन अनुपात 5 : 3 : 2 होगा।

उदाहरण

अंशु और नीतू एक फर्म में साझेदार हैं और 3 : 2 के अनुपात में लाभ विभाजित करते हैं। वे ज्योति को 3/10 भाग के लिए फर्म में प्रवेश देते हैं, जिसे ज्योति अंशु से 2/10 भाग और नीतू से 1/10 भाग प्राप्त करती हैं। अंशु, नीतू और ज्योति के नए लाभ विभाजन अनुपात की गणना कीजिए।

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

हल

ज्योति का भाग $= \frac{3}{10}$

अंशु का नया भाग $= \frac{3}{5} - \frac{2}{10} = \frac{4}{10}$

नीतू का नया भाग = पुराना भाग - त्याग किया गया भाग $= \frac{2}{5} - \frac{1}{10} = \frac{3}{10}$

अंशु, नीतू और ज्योति के बीच नया लाभ विभाजन अनुपात 4 : 3 : 3 होगा।

त्याग अनुपात

उदाहरण

रोहित और मोहित एक फर्म में साझेदार हैं जो 5 : 3 के अनुपात में लाभ विभाजित करते हैं। वे विजय को लाभ में 1/7 भाग के लिए फर्म में शामिल करते हैं तथा फर्म के भावी लाभ को 4 : 2 : 1 के अनुपात में विभाजित करने का निर्णय लेते हैं। रोहित और मोहित के त्याग अनुपात की गणना कीजिए।

हल

रोहित का पुराना भाग $= \frac{5}{8}$

रोहित का नया भाग $= \frac{4}{7}$

रोहित का त्याग $= \frac{5}{8} - \frac{4}{7} = \frac{3}{56}$

मोहित का पुराना भाग $= \frac{3}{8}$

मोहित का नया भाग $= \frac{2}{7}$

मोहित का त्याग $= \frac{3}{8} - \frac{2}{7} = \frac{5}{56}$

रोहित और मोहित का त्याग अनुपात 3 : 5 होगा।

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

उदाहरण अमर और बहादुर एक फर्म में साझेदार हैं और 3 : 2 के अनुपात में लाभ विभाजित करते हैं। वे मेरी को नए साझेदार के रूप में 1/5 भाग के लिए प्रवेश देते है। अमर और बहादुर का नया लाभ विभाजन अनुपात 2 : 1 होगा। उनके त्याग अनुपात की गणना कीजिए।

हल

मेरी का भाग $= \frac{1}{4}$

शेष भाग $= 1 - \frac{1}{4} = \frac{3}{4}$

3/4 भाग को अमर और बहादुर के 2:1 अनुपात में विभाजित किया जाएगा। अत:

अमर का नया भाग $= \frac{3}{4}$ का $\frac{2}{3} = \frac{6}{12}$ या $\frac{2}{4}$

बहादुर का नया भाग $= \frac{3}{4}$ का $\frac{1}{3} = \frac{3}{12}$ या $\frac{1}{4}$

अमर, बहादुर और मेरी का नया लाभ विभाजन अनुपात 2:1:1 होगा।

अमर का त्याग $= \frac{3}{5} - \frac{2}{4} = \frac{2}{20}$

बहादुर का त्याग $= \frac{2}{5} - \frac{1}{4} = \frac{3}{20}$

अमर और बहादुर के बीच त्याग अनुपात 2 : 3 होगा।

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

NCERT SOLUTIONS

प्रश्न (पृष्ठ संख्या 167 - 175)

लघु उत्तर प्रश्न:

प्रश्न 1 उन मदों की पहचान कीजिए जिनके सन्दर्भ में प्रवेश के समय समायोजन किया जाता है।उत्तर – नये साझेदार के प्रवेश के समय निम्न मदों के सन्दर्भ में समायोजन किया जाता है:

- नया लाभ विभाजन अनुपात की गणना करना।
- त्याग अनुपात की गणना करना।
- ख्याति का मूल्यांकन एवं समायोजन करना।
- सम्पत्तियों एवं दायित्वों का पुनर्मूल्यांकन करना।
- संचय, अवितरित लाभ एवं हानियों का समायोजन करना।
- पूँजी का समायोजन करना।

प्रश्न 2 नये साझेदार के प्रवेश पर पुराने साझेदारों के नये लाभ विभाजन अनुपात की गणना क्यों आवश्यक होती है?

उत्तर – नये साझेदार के प्रवेश पर उसे फर्म के भावी लाभों में भाग लेने का अधिकार होता है।उसके हिस्से हेतु पुराने साझेदार अपने हिस्से के कुछ भाग का त्याग करते हैं।इससे उनका पुराना लाभ विभाजन अनुपात बदल जाता है।नए साझेदार का लाभ का वितरण क्या होगा तथा वह विद्यमान साझेदारों से यह किस प्रकार अधिग्रहित करेगा, इसका निर्णय पुराने साझेदारों तथा नए साझेदार के सध्य आपसी सहमति द्वारा किया जाता है।

यदि यह वर्णित न हो कि नया साझेदार पुराने साझेदारों से अपना भाग किस प्रकार लेगा तो यह मान लिया जाता है कि वह इसे उनके लाभ विभाजन अनुपात में ही प्राप्त करेगा।किसी भी स्थिति में, साझेदार के प्रवेश पर, पुसने साझेदारों के मध्य लाभ विभाजन अनुपात, आने वाले साझेदार को दिए जाने वाले लाभ विभाजन अनुपात में उनके सहयोग के अनुसार किया जाएगा।इसलिए यहाँ सभी साझेदारों के मध्य नए लाभ विभाजन अनुपात के निर्धारण की आवश्यकता होती है।

प्रश्न 3 त्याग अनुपात क्या है? इसकी गणना क्यों की जाती है?

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

उत्तर – त्याग अनुपात:

जब कोई साझेदार फर्म में निश्चित लाभ के लिए प्रवेश लेता है, इसके लिए पुराने साझेदारों को अपने लाभ में से कुछ भाग का त्याग करना पड़ता है, जिसे त्याग का अनुपात (Sacrifice Ratio) कहते हैं ।नये साझेदार के लिए पुराने साझेदार समझौते के अनुसार अपने लाभ में से त्याग करते हैं।यह त्याग पुराने साझेदारों द्वारा पुराने अनुपात में, समान अनुपात में, असमान अनुपात में या किसी एक साझेदार द्वारा भी किया जा सकता है।

त्याग अनुपात की गणना इसलिए की जाती है ताकि नये साझेदार द्वारा लाई जा रही ख्याति की राशि को पुराने साझेदारों में उनके त्याग के अनुपात में बाँटा जा सके ।इसी प्रकार सभी साझेदारों द्वारा अपना लाभ विभाजन अनुपात बदलने पर भी त्याग के अनुपात की गणना की जाती है।

प्रश्न 4 किन अवसरों पर त्याग अनुपात का प्रयोग होता है?

उत्तर – निम्नांकित अवसरों पर त्याग अनुपात का प्रयोग होता है:

- जब साझेदारी फर्म के सभी विद्यमान साझेदार अपना लाभ विभाजन अनुपात बदलने को सहमत होते हैं।
- जब साझेदारी फर्म में किसी नये साझेदार को प्रवेश दिया जाता है और उसके द्वारा ख्याति की रकम लाई जाती है जो पुराने साझेदारों में उनके त्याग के अनुपात में बाँटी जाती है।

प्रश्न 5 यदि प्रवेश के समय ख्याति, फर्म की पुस्तकों में विद्यमान हो और नया साझेदार अपने लाभ में भाग के लिए नकद ख्याति लेकर आता है तो विद्यमान खाति हेतु लेखांकन व्यवहार क्या होगा?

उत्तर – (1) यदि प्रवेश के समय ख्याति, फर्म की पुस्तकों में विद्यमान हो तो सर्वप्रथम उसे अपलिखित (बन्द) किया जायेगा।इसके लिए निम्न प्रविष्टि की जायेगी

Old Partners' Capital A/cs		Dr.	(पुराने लाभ विभाजन अनुपात में)
To Goodwill A/c			
(Being Existing Goodwill A/c is written off in old profit sharing ratio)			

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

(2) जब नया साझेदार अपने लाभ में हिस्से के लिए ख्याति की राशि नकद लेकर आता है।इस स्थिति में निम्न प्रविष्टियाँ की जाती हैं

(i) ख्याति की राशि नकद लाने पर:

Bank A/c	Dr.	
To Premium for Goodwill A/c		
(Being amount of goodwill brought in)		

(ii) ख्याति की राशि त्याग करने वाले साझेदारों के खातों में त्याग अनुपात में हस्तान्तरित करने पर:

Premium for Goodwill A/c	Dr.	
To Sacrificing Partners' Capital A/cs		
(Being amount of goodwill transferred to sacrificing Partners' Capital A/cs)		

(iii) ख्याति की राशि व्यापार से निकालने पर:

Sacrificing Partners' Capital A/cs	Dr.	
To Bank A/c		
(Being amount of goodwill withdrawn by sacrificing partners)		

प्रश्न 6 साझेदार के प्रवेश के समय परिसम्पत्तियों और दायित्वों के पुनर्मूल्यांकन की आवश्यकता क्यों होती

उत्तर – नया साझेदार फर्म में प्रवेश करने की तिथि से पूर्व सम्पत्तियों व दायित्वों के मूल्यों में परिवर्तन के कारण हानि के लिए न तो उत्तरदायी होता है और न लाभों में भागीदार हो सकता है।सम्पत्तियों व दायित्वों के पुनर्मूल्यांकन पर यदि लाभ है तो पुराने साझेदार इस लाभ में नये साझेदार को भागीदार नहीं बनने देंगे तथा हानि होने पर नया साझेदार ऐसी हानि में भागीदार नहीं बनना चाहेगा।

अतः इस समस्या के समाधान के लिए नये साझेदार के प्रवेश से पूर्व ही सम्पत्तियों व दायित्वों का पुनर्मूल्यांकन कर लिया जाता है तथा इसके फलस्वरूप होने वाले लाभ या हानि को पुराने साझेदारों में पुराने अनुपात में विभाजित कर दिया जाता है।

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

दीर्घ उत्तर प्रश्न:

प्रश्न 1 क्या आप यह उचित समझते हैं कि साझेदार के प्रवेश के समय परिसम्पत्तियों एवं दायित्वों का पुनर्मूल्यांकन किया जाना चाहिए? साथ ही यह भी बताएँ कि इसका लेखांकन व्यवहार क्या होगा?

उत्तर – जी हाँ, हम यह उचित समझते हैं कि नये साझेदार के प्रवेश के लाभ परिसम्पत्तियों एवं दायित्वों का पुनर्मल्यांकन किया जाना चाहिए।नये साझी के प्रवेश पर सम्पत्तियों व दायित्वों का पुस्तक मूल्य बाजार मूल्य से कम अथवा अधिक हो सकता है।अतः नये साझेदार के प्रवेश पर पुराने तथा नये साझी दोनों यही पसन्द करते हैं कि सम्पत्तियों व दायित्वों का पुनर्मूल्यांकन कर लिया जाए।पुनर्मूल्यांकन पर हुई लाभ अथवा हानि को पुराने साझेदार पुराने अनुपात में बाँटते हैं।

यदि सम्पत्तियों का बाजार मूल्य पुस्तक मूल्य से अधिक हो गया है अथवा दायित्वों का मूल्य कम हो गया है तो पुनर्मूल्यांकन पर लाभ होगा तथा पुराने साझेदार नये साझेदार को इस लाभ में से हिस्सा नहीं देना चाहेंगे।इसके विपरीत यदि सम्पत्तियों का बाजार मूल्य पुस्तक मूल्य से कम हो गया है अथवा दायित्वों का मूल्य बढ़ गया है तो पुनर्मूल्यांकन पर हानि होगी तथा नया साझेदार इस हानि में भागीदार नहीं बनना चाहेगा।

इस समस्या के समाधान के लिए नये साझेदार के प्रवेश पर सम्पत्तियों व दायित्वों का पुनर्मूल्यांकन करते हैं तथा इससे होने वाली लाभ-हानि को पुराने साझेदारों में पुराने अनुपात में बाँट देते हैं।सम्पत्तियों व दायित्वों के पुस्तक मूल्य में परिवर्तन करने के लिए जिस खाते के माध्यम से समायोजन किया जाता है, उसे पुनर्मूल्यांकन खाता (Revaluation Account) कहते हैं।

पुनर्मूल्यांकन पर हानि होने पर इस खाते को डेबिट तथा सम्बन्धित सम्पत्ति व दायित्व को क्रेडिट किया जाता है।पुनर्मूल्यांकन पर लाभ होने पर इस खाते को क्रेडिट तथा सम्बन्धित सम्पत्ति व दायित्व को डेबिट किया जाता है।

इस सम्बन्ध में निम्न प्रविष्टियाँ की जाती हैं:

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

1. सम्पत्ति के मूल्य में कमी होने पर	Revaluation a/c To Particular Asset a/c (Value of assets decreased)	Dr.	(कमी की राशि से)
2. सम्पत्ति के मूल्य में वृद्धि होने पर	Particular Asset a/c To Revaluation a/c (Value of assets increased)	Dr.	(वृद्धि की राशि से)
3. दायित्वों के मूल्य में वृद्धि होने पर	Revaluation a/c To Particular Liability a/c (Increase in Liability)	Dr.	(वृद्धि की राशि से)
4. दायित्वों के मूल्य में कमी होने पर	Particular Liability a/c To Revaluation a/c (Decrease in Liability)	Dr.	(कमी की राशि से)
5. आयोजन की राशि में वृद्धि होने पर	Revaluation a/c To Provision a/c (Being Provision raised)	Dr.	(वृद्धि की राशि से)
6. आयोजन राशि में कमी करने पर	Provision a/c To Revaluation a/c (Decrease in Provision)	Dr.	(कमी की राशि से)
7. चिट्ठे में न दिखाये गये दायित्वों का लेखा करने पर	Revaluation a/c To Particular Liability a/c (Liability recorded)	Dr.	(दायित्व की राशि से)
8. चिट्ठे में न दिखायी गई सम्पत्ति का लेखा करने पर	Particular Asset a/c To Revaluation a/c (Asset recorded in books)	Dr.	(सम्पत्ति की राशि से)
9. कृत्रिम सम्पत्ति को समाप्त करने पर	Revaluation a/c To (Particular) Assets a/c (Being Assets written off)	Dr.	(सम्पत्ति की राशि से)
10. पुनर्मूल्यांकन पर लाभ होने पर	Revaluation a/c To Old Partners' Capital a/cs (Profit on revaluation distributed to old partners)	Dr.	(लाभ की राशि से)
11. पुनर्मूल्यांकन पर हानि होने पर	Old Partners' Capital a/cs To Revaluation a/c (Loss on revaluation distributed to old partners)	Dr.	(हानि की राशि से)

SHIVOM CLASSES 8696608541

प्रश्न 2 ख्याति क्या है? ख्याति को प्रभावित करने वाले तत्व कौनसे हैं?

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

उत्तर – ख्याति (Goodwill) ख्याति व्यापार की एक अदृश्य सम्पत्ति होती है।यह दिखाई नहीं देती लेकिन व्यवसाय को इसका बड़ा लाभ मिलता है।एक सुस्थापित व्यवसाय को कुछ समय पश्चात् प्रतिष्ठा और विस्तृत व्यवसाय सम्बन्धों का लाभ होने लगता है।यह व्यवसाय को एक नए स्थापित व्यवसाय की तुलना में अधिक लाभ कमाने में सहायता करता है ।लेखांकन में ऐसे लाभ के मौद्रिक मूल्य को ख्याति कहते हैं।

यह एक आभासी (काल्पनिक) परिसम्पत्ति समझी जाती है।दूसरे शब्दों में, ख्याति किसी व्यवसाय की प्रसिद्धि का ऐसा मूल्य है, जिससे कि वह उस व्यवसाय में लगी हुई अन्य इकाइयों द्वारा अर्जित किए गए सामान्य लाभ की अपेक्षा अधिक लाभ अर्जित करती है।प्रायः यह देखा जाता है कि जब एक व्यक्ति ख्याति की राशि का भुगतान करता है तो वह भुगतान उसे अधिक लाभ प्राप्त करने की स्थिति में पहुँचा देता है, जिसे वह मात्र अपने प्रयत्नों से प्राप्त नहीं कर सकता था।

दूसरे शब्दों में ख्याति को इस प्रकार परिभाषित किया जा सकता है; "फर्म की ख्याति सम्भावित अधिक आय का वर्तमान मूल्य है।" या ख्याति "व्यवसाय का वह पूँजीकृत मूल्य है जो कि उसकी विभेदात्मक लाभ क्षमता से जुड़ा होता है"।अतः ख्याति तभी विद्यमान होगी जब फर्म सामान्य लाभों से अधिक लाभ अर्जित करती है ।जिस फर्म में हानि हो रही हो या सामान्य लाभ हो रहे हों, उस फर्म की ख्याति नहीं होती है।

ख्याति की विशेषताएँ (Characteristics of Goodwill):

- ख्याति व्यवसाय की अदृश्य (अमूर्त) सम्पत्ति है।
- यह एक मूल्यवान सम्पत्ति है।
- यह अधिक लाभार्जन में सहायक होती है।
- यह एक ऐसी आकर्षण शक्ति है जो कि ग्राहकों को उनके पुराने स्थान पर लाती है।
- इसका मूल्य परिवर्तित होता रहता है।

ख्याति के मूल्य को प्रभावित करने वाले तत्व (Factors affecting value of Goodwill):

ख्याति के मूल्य को प्रभावित करने वाले मुख्य तत्व/घटक निम्न हैं:

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

- **व्यवसाय का स्वरूप:** ऐसी फर्म जो उच्च मूल्य वृद्धि उत्पादों का उत्पादन करती है या जिनके उत्पादों की माँग स्थिर रहती है, अधिक लाभ कमाती है।अतः ऐसी फर्मों की ख्याति अधिक होती है।
- **स्थान:** यदि व्यवसाय केन्द्रीय स्थान पर स्थित है या उस स्थान पर जहाँ ग्राहकों की अधिक भीड़ है तो ख्याति का मूल्य बढ़ने लगता है।
- **प्रबन्ध निपुणता:** एक सुप्रबंधित फर्म ऊँची उत्पादकता और लागत कुशलता के कारण अधिक लाभ अर्जित करती है, जिससे उसकी ख्याति के मूल्य में वृद्धि होती है।
- **बाजार की स्थिति:** एकाधिकार की स्थिति, सीमित प्रतियोगिता एवं कम जोखिम की स्थिति में फर्म को अधिक लाभ अर्जित करने का मौका मिलता है।इससे फर्म की ख्याति के मूल्य में भी वृद्धि होती है।
- विशेष लाभ ऐसी फर्म जिसे आयात लाइसेंस, बिजली की निम्न दर व निरन्तर आपूर्ति का आश्वासन, माल पूर्ति के दीर्घकालीन ठेके, सुप्रसिद्ध सहयोगी, पेटेंट, व्यापारिक चिह्न आदि के विशेष लाभ प्राप्त होते हों, उसकी ख्याति का मूल्य ऊँचा होगा।

प्रश्न 3 ख्याति के मूल्यांकन की विधियों की व्याख्या करें।

उत्तर – ख्याति के मूल्यांकन की विभिन्न विधियाँ (Various Methods of Valuation of Goodwill):

ख्याति के मूल्यांकन की अनेक विधियाँ व्यवहार में प्रचलित हैं।कोई भी एक विधि सर्वसम्मत विधि नहीं है।इसके लिए कब और किस विधि को प्रयोग में लाया जाए, यह ख्याति की प्रकृति एवं तत्कालीन सम्बन्धित परिस्थितियों पर निर्भर करता है।ख्याति के मूल्यांकन की प्रमुख प्रचलित विधियाँ निम्न प्रकार हैं।

1. औसत लाभ विधि (Average Profit Method): इस विधि में यह माना जाता है कि व्यवसाय के औसत लाभ भविष्य में कितने वर्षों तक अर्जित होते रहेंगे अतः इसका एक निश्चित वर्षों (यथा 3, 4, 5 या 7 वर्ष) का क्रय मूल्य ही ख्याति का मूल्य माना जाता है।अतः इस विधि द्वारा ख्याति का मूल्यांकन करते समय सर्वप्रथम यह निश्चय करना होगा कि औसत लाभों का कितने वर्षों का क्रय मूल्य ख्याति का मूल्य समझा जाए।इसकी निम्नांकित दो मुख्य विधियाँ हैं।

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

(i) सरल औसत लाभ विधि (Simple Average Profit Method): इस विधि में गत वर्ष से पूर्व के कुछ वर्षों (सामान्यतः तीन से पाँच वर्षों) के लाभों (हानियों सहित) को आधार मानकर असामान्य हानि, असामान्य लाभ, भविष्य में व्ययों एवं आय में होने वाले परिवर्तनों का समायोजन करते हुए औसत ज्ञात कर लिया जाता है।सरल औसत लाभ विधि के आधार पर ख्याति का मूल्यांकन निम्न प्रकार से किया जा सकता है।

उदाहरण: राम और श्याम एक फर्म में साझेदार हैं।वे 1 अप्रैल, 2021 को मोहन को फर्म में प्रवेश देना चाहते का मूल्यांकन गत 5 वर्षों के औसत लाभों के 3 वर्षों के क्रय मूल्य के आधार पर करना चाहते हैं।ख्याति का मूल्य ज्ञात कीजिए।

हल - कुल लाभ = 30,000 + 40,000 + 36,000 + 48,000 + 44.000 = 1,98,000

औसत लाभ = 1,98,000 + 5 = ₹ 39,600

ख्याति का मूल्यं = 39,600 x 3 = ₹ 1,18,800

औसत लाभों की गणना करते समय निम्न बातों का ध्यान रखा जाना चाहिए:

- भूतकाल की असाधारण आय अथवा लाभ को सम्बन्धित वर्ष में से घटा देना चाहिए।
- भूतकाल की असाधारण हानि को सम्बन्धित वर्ष में पुनः जोड़ देना चाहिए।
- गैर व्यापारिक विनियोग की आय को सम्बन्धित वर्ष की आय में से घटा देना चाहिए।

(ii) भारित औसत लाभ विधि (Weighted Average Profit Method):

जब फर्म के पिछले कुछ वर्षों के लाभ निरन्तर बढ़ या घट रहे होते हैं-तब भारित औसत लाभ के आधार पर ख्याति का मूल्यांकन किया जाता है।

उदाहरण: किसी फर्म के गत चार वर्षों के लाभ निम्न प्रकार हैं, भारित औसत लाभों के तीन वर्षों के क्रय के आधार पर ख्याति का मूल्य ज्ञात कीजिए।गत चार वर्षों के शुद्ध लाभ - 2018 ₹ 4,000: 2019 ₹ 5,000; 2020 ₹ 5,800; 2021 ₹ 6.500

Year	Profit ₹	Weight	Product
2018	4,000	1	4,000

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

2019	5,000	2	10,000
2020	5,800	3	17,400
2021	6,500	4	26,000
		10	57,400

भारित औसत (Weighted Average) = 57,400 + 10 = ₹ 5,740

Goodwill = 5,740 x 3 = ₹ 17,220

II. अधिलाभ आधार विधि (Super Profit Base Method): इस विधि के अन्तर्गत ख्याति का मूल्यांकन करने से पूर्व, फर्म द्वारा अर्जित किए जा रहे अधिलाभ (Super Profit Method) की गणना की जाती है।औसत वार्षिक लाभ या भावी लाभ का अपेक्षित सामान्य लाभ पर आधिक्य अधिलाभ कहलाता है।दूसरे शब्दों में, औसत वार्षिक लाभ में से साझेदारों की सेवाओं के पारिश्रमिक, वेतन, बोनस, कमीशन आदि को घटाने के पश्चात् जो शुद्ध औसत लाभ बचता है उसमें से व्यवसाय में लगी हुई विनियोजित पूँजी पर प्रचलित सामान्य प्रत्याय दर (Normal Rate of Return) से अपेक्षित सामान्य लाभ ज्ञात करके उसे घटाने के पश्चात् शेष बचा लाभ अधिलाभ कहलाता है।

अधिलाभ आधार विधि में जितने वर्षों के क्रय के बराबर ख्याति का मूल्य ज्ञात करने के लिए प्रश्न में कहा गया हो उसको अधिलाभ से गुणा करके ख्याति का मूल्य ज्ञात कर लेते हैं।किसी फर्म के पिछले पाँच वर्षों के वार्षिक औसत लाभ ₹ 78,000 हैं तथा साझेदारों की सेवाओं का पारिश्रमिक ₹ 20,000 वार्षिक है।यदि व्यवसाय में विनियोजित पूँजी ₹ 3,00,000 है एवं प्रचलित सामान्य प्रत्याय दर 15% वार्षिक है तथा ख्याति का मूल्यांकन अधिलाभ के चार गुणा के बराबर माना जाता हो तो ख्याति का मूल्य निम्न प्रकार ज्ञात किया जाएगा।

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

औसत लाभ	=	78,000
घटाया— साझेदारों का पारिश्रमिक	=	20,000
शुद्ध औसत लाभ	=	58,000
घटाया—अपेक्षित सामान्य लाभ $\left(3,00,000 \times \frac{15}{100}\right)$	=	45,000
अधिलाभ	=	13,000

ख्याति का मूल्य = अधिलाभ × 4 = 13,000 × 4 = ₹ 52,000

III. पूँजीकरण विधि (Capitalisation Method): इस विधि के अन्तर्गत व्यवसाय द्वारा अर्जित लाभों का पूँजीकरण करके ख्याति का मूल्य ज्ञात किया जाता है।इस विधि के अन्तर्गत ख्याति का मूल्यांकन अग्र दो आधारों पर किया जा सकता है।

(i) औसत लाभों की पूँजीकरण विधि

$$\text{औसत लाभों का पूँजीकरण मूल्य} = \frac{\text{औसत लाभ} \times 100}{\text{सामान्य प्रत्याय दर}}$$

ख्याति = लाभों का पूँजीकृत मूल्य – विनियोजित पूँजी

(Goodwill = Capitalised Value of Profits - Capital Employed)

[नोट : यदि औसत लाभों का पूँजीकृत मूल्य व विनियोजित पूँजी का अन्तर शून्य या ऋणात्मक है तो ख्याति का मूल्य शून्य होगा।]

जैसे - एक फर्म का औसत लाभ ₹ 15,000 है और फर्म की पूँजी ₹ 1,00,000 है।सामान्य प्रत्याय दर 10 प्रतिशत है।औसत लाभों की पूँजीकरण विधि से ख्याति की गणना निम्न प्रकार की जाएगी

$$\text{ख्याति} = \frac{\text{औसत लाभ} \times 100}{\text{सामान्य प्रत्याय दर}} - \text{विनियोजित पूँजी}$$

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

ख्याति = $\frac{15,000 \times 100}{10}$ - 1,00,000 = 1,50,000 – 1,00,000 = ₹ 50,000

(ii) अधिलाभों की पूँजीकरण विधि (Capitalisation of Super Profits): इस विधि में अधिलाभों की गणना करके प्रचलित सामान्य प्रत्याय दर/ब्याज दर पर उसका पूँजीकरण किया जाता है।यह पूँजीकृत मूल्य ही ख्याति का मूल्य होता है, जैसे - किसी फर्म का शुद्ध औसत लाभ ₹ 58,000 है. तथा फर्म की कुल विनियोजित पूँजी ₹ 3,00,000 है ऐसी ही अन्य फर्मों में सामान्य प्रत्याय की दर 15% है।फर्म की ख्याति का मूल्य अधिलाभों के पूँजीकरण विधि से निम्न होगा।

औसत लाभ	=	₹ 58,000
घटाया—अपेक्षित सामान्य लाभ	=	₹ 45,000
अधिलाभ	=	₹ 13,000

ख्याति = $\frac{\text{अधिलाभ} \times 100}{\text{सामान्य प्रत्याय दर}}$

प्रश्न 4 यदि समस्त साझेदारों के मध्य यह समझौता होता है कि प्रत्येक साझेदार की पूँजी नये लाभ विभाजन अनुपात के अनुसार निर्धारित की जाएगी तो आप सभी साझेदारों की नयी पूँजी कैसे निकालेंगे?

उत्तर – समस्त साझेदारों के मध्य यह समझौता होने पर कि प्रत्येक साझेदार की पूँजी नये लाभ विभाजन अनुपात के अनुसार निर्धारित की जाएगी तो ऐसी स्थिति में साझेदारों की नयी पूँजी की गणना की निम्न दो स्थितियाँ होती हैं।

- नये साझेदार की पूँजी दी गयी हो।
- फर्म की कुल पूँजी दी गयी हो।इनका वर्णन निम्न प्रकार है।

(1) नये साझेदार की कुल पूँजी दी गयी हो: ऐसी स्थिति के अन्तर्गत नए साझेदार को दिए गए लाभ के हिस्से एवं उसकी पूँजी के आधार पर फर्म की कुल पूँजी ज्ञात कर ली जाती है ।तत्पश्चात् समस्त साझेदारों का नया लाभ-हानि अनुपात ज्ञात करके प्रत्येक साझेदार की उसके अनुपात के

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

आधार पर पूँजी ज्ञात की जाती है।परिणामस्वरूप जिन साझेदारों की नयी पूँजी, पुरानी पूँजी से कम होती है वे आधिक्य को फर्म से निकाल लेते हैं अथवा आधिक्य का हस्तांतरण उनके चालू खातों में क्रेडिट पक्ष में कर दिया जाता है।इसी प्रकार जिन साझेदारों की नयी पूँजी, पुरानी पूँजी से अधिक होती है, वे व्यापार में और पूँजी लाते हैं अथवा कमी का समायोजन उनके चालू खाते को डेबिट करके कर दिया जाता है।

उदाहरण: अ और ब एक फर्म में साझेदार हैं तथा 2 : 1 के अनुपात में लाभ का विभाजन करते हैं।वे स को लाभ में 1/4 भाग के लिए शामिल करते हैं ।स ₹ 20,000 पूँजी के लिए लाता है।ख्याति, परिसम्पत्तियाँ एवं दायित्वों से सम्बन्धित समायोजनों के पश्चात् पुराने साझेदारों अ और ब की पूँजी क्रमशः ₹ 45,000 और ₹ 15,000 है।यह निर्णय लिया गया कि साझेदारों की पूँजी नए लाभ विभाजन अनुपात के अनुसार होगी।अ और ब की नई पूँजी ज्ञात कीजिए।जिस साझेदार की पूँजी कम होगी वह आवश्यक राशि लेकर आएगा तथा पूँजी राशि अधिक होने पर निकाल ली जाएगी।

हल: (i) नए लाभ विभाजन की गणना यह माना गया है कि स ने अपना भाग, अ और ब से पुराने लाभ विभाजन अनुपात में लिया है, अर्थात् 2 : 1

"कुल भाग = 1
स का भाग = 1/4
शेष भाग = 1 - 1/4 = 3/4
अ का नया भाग = $\frac{3}{4} \times \frac{2}{3} = \frac{6}{12}$
ब नया भाग = $\frac{3}{4} \times \frac{1}{3} = \frac{3}{12}$
स का नया भाग = $\frac{1}{4} \times \frac{3}{3} = \frac{3}{12}$
अतः अ, ब और स के बीच नया लाभ विभाजन अनुपात 6 : 3 : 3 या 2 : 1 : 1 होगा।

(ii) अ और ब की नयी पूँजी: स की पूँजी (जिसका लाभ में 1/4 भाग है) ₹ 20,000 है।अतः फर्म की कुल पूँजी होगी।

20,000 x 4/1 = ₹ 80,000

अतः लाभ में भाग के आधार पर अ और ब की पूँजी होगी:

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

अ की पूँजी = ₹ 80.000 का 2/4 = ₹40,000

ब की पूँजी = ₹ 80,000 का 1/4 = ₹ 20,000

समस्त समायोजनों के पश्चात् अ और ब की पूँजी क्रमश: ₹ 45,000 और ₹ 15,000 है ।अतः अ फर्म से ₹ 5,000 (₹ 45,000 - ₹ 40,000) निकाल कर ले जाएगा।जबकि ब ₹ 5,000 (₹ 20,000 - ₹ 15,000) की राशि को लेकर आएगा।

(2) जब फर्म की कुल पूँजी दी गयी हो: जब फर्म की कुल पूँजी दी गई होती है और यह निर्णय लिया जाता है कि प्रत्येक साझेदार की पूँजी, लाभ विभाजन अनुपात के अनुरूप हो तो ऐसी स्थिति में प्रत्येक साझेदार की पूँजी का निर्धारण (नए साझेदार सहित) उसके लाभ विभाजन अनुपात के आधार पर किया जाता है।अतिरिक्त पूँजी लाकर या अतिरिक्त पूँजी निकाल कर प्रत्येक साझेदार की अन्तिम पूँजी को ऐच्छिक स्तर पर लाया जा सकता है।समझौते के अनुसार यह समायोजन चालू खातों के द्वारा भी किया जा सकता है।

उदाहरण: अ, ब और स एक फर्म में साझेदार हैं तथा 3 : 2 : 1 के अनुपात में लाभ का विभाजन करते हैं।वे द को फर्म में 1/4 भाग के लिए प्रवेश देते हैं जिसे वह अ से 1/8 भाग तथा ब से 1/8 भाग प्राप्त करता है।फर्म की कुल पूँजी ₹ 1,20,000 निर्धारित की जाती है तथा द को अपने 1/4 भाग के लिए फर्म में पूँजी लाना तय हुआ।अन्य साझेदारों की पूँजी का समायोजन भी उनके लाभ विभाजन अनुपात के आधार पर किया जाएगा।समस्त समायोजनों के पश्चात् अ, ब और स की पूँजी क्रमशः ₹ 40,000, ₹ 35,000 और ₹ 30,000 है।अ, ब और स की नयी पूँजी की राशि ज्ञात करें।वे कितनी राशि लायेंगे अथवा ले जायेंगे?

हल - (1) नए लाभ विभाजन अनुपात की गणना:

अ = 3/6 or 1/2 - 1/8 = 3/8

ब = 2/6 or 1/3 - 1/8 = 5/24

स को लाभ में पहले की तरह 1/6 भाग दिया जाएगा।

अतः अ, ब, स और द का नया लाभ विभाजन अनुपात होगा

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

$\frac{3}{8} : \frac{5}{24} : \frac{1}{6} : \frac{1}{4}$ या $\frac{9}{24} : \frac{5}{24} : \frac{4}{24} : \frac{6}{24}$ या 9 : 5 : 4 : 6

(2) सभी साझेदारों की पूँजी का निर्धारण: फर्म की कुल पूँजी ₹ 1,20,000

अतः अ की पूँजी =₹ 1,20,000 x 2 = ₹ 45,000

ब की पूँजी = ₹ 1,20,000 x 2 = ₹ 25,000

स की पूँजी = ₹ 1,20,000 x + = ₹ 20,000

द की पूँजी = ₹ 1,20,000 x 6 = ₹ 30,000

अतः अ ₹ 5,000 (₹ 45,000 - ₹ 40,000) लायेगा; ब ₹ 10,000 (₹ 35,000 - ₹ 25,000) निकाल कर ले जाएगा।स ₹ 10,000 (₹ 30,000 - ₹ 20,000) निकालेगा और द ₹ 30,000 लाएगा।

प्रश्न 5 विस्तारपूर्वक बताएँ कि ख्याति का लेखांकन व्यवहार किस प्रकार होगा यदि नया साझेदार ख्याति में अपना भाग नकद लाने में असमर्थ है?

उत्तर – नये साझेदार द्वारा ख्याति में अपना भाग नकद में नहीं लाने पर लेखांकन व्यवहार: यदि नया साझेदार ख्याति में अपना भाग नकद में लाने में असमर्थ है तो ऐसी स्थिति में नये साझेदार द्वारा नहीं लायी गई ख्याति की राशि को नये साझेदार के चालू खाते में नाम तथा पुराने साझेदारों के पूँजी खातों में उनके त्याग अनुपात की दर से जमा किया जायेगा।इसमें निम्न दो परिस्थितियाँ हो सकती हैं।

- पुस्तकों में ख्याति खाता पहले से विद्यमान हो।
- पुस्तकों में ख्याति खाता पहले से विद्यमान नहीं हो।

पुस्तकों में ख्याति खाता पहले से विद्यमान होने पर सर्वप्रथम उसे बन्द किया जायेगा तथा फिर ख्याति सम्बन्धी समायोजन किया जायेगा।इन सबके लिए निम्न जर्नल प्रविष्टियाँ की जायेंगी

यदि पुस्तकों में ख्याति खाता खुला हुआ (विद्यमान) है तो सर्वप्रथम उसे अपलिखित (बन्द) किया जायेगा।

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

Old Partners' Capital A/cs		Dr.	(पुराने लाभ विभाजन अनुपात में)
To Goodwill A/c			
(Being Existing Goodwill A/c is written off in old profit sharing ratio)			

नया साझेदार अपने हिस्से की ख्याति नकद लेकर नहीं आता है, इस दशा में त्याग अनुपात में निम्न प्रविष्टि होगी

New Partner's Current A/c	Dr.	
To Sacrificing Partners' Capital A/cs		
(Being share of goodwill of new partner is adjusted)		

[नोट : इस दशा में नये साझेदार के पूँजी खाते के स्थान पर उसके चालू खाते को डेबिट किया गया है, ताकि उसकी पूँजी कम न हो।]

प्रश्न 6 साझेदार के प्रवेश के समय ख्याति के लेखांकन व्यवहार की विभिन्न विधियों को विस्तारपूर्वक बताएँ।

उत्तर – साझेदार के प्रवेश के समय ख्याति का लेखांकन व्यवहार (Accounting of Goodwill): नये साझेदार के प्रवेश के समय ख्याति के व्यवहार से सम्बन्धित विधियाँ निम्नलिखित परिस्थितियों के अनुसार हो सकती हैं

(a) जब ख्याति की राशि का भुगतान निजी, रूप से किया जाये।

(b) जब नया साझेदार अपने हिस्से की ख्याति की राशि नकद लेकर आता है।

(c) जब नया साझेदार अपने हिस्से की ख्याति की राशि नकद लेकर नहीं आता है।

(d) जब नया साझेदार अपने हिस्से की ख्याति आंशिक रूप से नकद में लाता है।

(e) जब नया साझेदार अपने हिस्से की ख्याति सम्पत्ति (In Kind) के रूप में लाता है।

(f) छिपी हुई ख्याति का लेखा।

(g) लाभ विभाजन अनुपात में परिवर्तन होने पर ख्याति का लेखा।

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

उपर्युक्त सभी परिस्थितियों में यदि पुस्तकों में ख्याति खाता खुला हुआ (विद्यमान) है तो सर्वप्रथम उसे अपलिखित (बन्द) किया जायेगा।

इसके लिए निम्नांकित प्रविष्टि की जायेगी:

Old Partners' Capital A/cs		Dr.	(पुराने लाभ विभाजन अनुपात में)
	To Goodwill A/c		
(Being existing Goodwill a/c is written off)			

(a) जब ख्याति की राशि का भुगतान निजी रूप से किया जाय: यदि नया साझेदार अपने हिस्से की ख्याति की राशि का भुगतान पुराने साझेदारों को निजी रूप से कर देता है तो फर्म की पुस्तकों में कोई प्रविष्टि नहीं की जायेगी, क्योंकि ख्याति की राशि फर्म में नहीं लिखी जाती है।

(b) जब नया साझेदार अपने हिस्से की राशि नकद लेकर आता है।इस स्थिति में निम्न प्रविष्टियाँ की जाती है।

(i) ख्याति की राशि नकद लाने पर:

Bank A/c	Dr.	
To Premium for Goodwill A/c		
(Being amount of goodwill brought in cash)		

(ii) ख्याति की राशि त्याग करने वाले साझेदारों के खातों में त्याग अनुपात में हस्तान्तरित करने पर:

Pemium for Goodwill A/c	Dr.	
To Sacrificing Partners' Capital A/cs		
(Being amount of goodwill transferred to sacrificing Partners' Capital A/c)		

(iii) ख्याति की राशि व्यापार से निकालने पर:

Pemium for Goodwill A/c	Dr.	
To Sacrificing Partners' Capital A/cs		
(Being amount of goodwill transferred to sacrificing Partners' Capital A/c)		

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

(c) जब नया साझेदार अपने हिस्से की ख्याति नकद लेकर नहीं आता है, इस दशा में त्याग अनुपात में निम्न प्रविष्टि होगी:

New Partner's Current A/c	Dr.	
To Sacrificing Partners' Capital A/cs		
(Being share of goodwill of new partner is adjusted through Capital A/c)		

[नोट : इस दशा में नये साझेदार के पूँजी खाते के स्थान पर उसके चालू खाते को डेबिट किया गया है, ताकि उसकी पूँजी कम न हो।]

(d) जब नया साझेदार अपने हिस्से की ख्याति आंशिक रूप से नकद में लाता है, इस दशा में निम्न प्रविष्टियाँ होंगी:

(i) ख्याति का जो हिस्सा नकद लेकर आया है

Bank A/c	Dr.	
To Premium for Goodwill A/c		
(Being amount of goodwill brought in cash)		

(ii) त्याग करने वाले साझेदारों के खातों में त्याग अनुपात में ख्याति का हस्तान्तरण करने पर:

Asset A/c	Dr.	
To Premium for Goodwill A/c		
(Being asset contribute by new partner for his share of goodwill)		

(e) जब नया साझेदार अपने हिस्से की ख्याति सम्पत्ति (kind) के रूप में लाता है, इस दशा में निम्न प्रविष्टियाँ होंगी:

(i) ख्याति के लिए सम्पत्ति लाने पर:

New Partner's Current A/c	Dr.	
To Sacrificing Partners' Capital A/cs		
(Being amount of goodwill adjusted through sacrificing Partners' Capital A/cs)		

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

(ii) ख्याति को त्याग करने वाले साझेदारों के पूँजी खातों में त्याग अनुपात में हस्तान्तरित करने पर:

Gaining Partners' Current A/c Dr.
To Sacrificing Partners' Capital A/cs
(Being adjustment of goodwill due to change in profit sharing ratio)

(f) छिपी हुई ख्याति (Hidden Goodwill) का लेखा सामान्यतः इस विधि का प्रयोग उस दशा में किया जाता है जब नया साझेदार ख्याति की राशि नकद लेकर नहीं आता है।छिपी हुई ख्याति का मूल्यांकन पूँजी विनियोग की व्यवस्था और लाभ विभाजन अनुपात के आधार पर किया जाता है।इस दशा में निम्न समायोजन प्रविष्टि की जाती है

नये साझेदार के ख्याति के हिस्से से:

Pemium for Goodwill A/c Dr.
To Sacrificing Partners' Capital A/cs
(Being amount of goodwill transferred to sacrificing Partners' Capital A/c)

(g) साझेदारों के लाभ विभाजन अनुपात में परिवर्तन होने पर ख्याति के लिए लेखांकन प्रविष्टि:

Old Partners' Capital A/cs Dr. (पुराने लाभ विभाजन अनुपात में)
To Goodwill A/c
(Being existing Goodwill a/c is written off)

नोट :

1. नये साझेदार द्वारा लाई गयी ख्याति की राशि त्याग करने वाले साझेदारों में उनके त्याग अनुपात में बाँटी जायेगी।
2. लेखा मानक 26 के अनुसार ख्याति को पुस्तकों में तभी लिखा जाता है जबकि इसको क्रय करने हेतु मुद्रा या मुद्रा तुल्य कोई प्रतिफल चुकाया गया हो।

अतः केवल क्रय की गई ख्याति का लेखा ही पुस्तकों में होगा।इसे भी शीघ्र ही पुस्तकों से अपलिखित करना चाहिए।एक से अधिक वर्षों में अपलेखन की दशा में यह अवधि 10 वर्ष से अधिक नहीं हो सकती है।

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

स्वअर्जित ख्याति (Self Generated Goodvill) जो किसी साझेदार के प्रवेश, अवकाश ग्रहण, मृत्यु अथवा वर्तमान साझेदारी के लाभ विभाजन अनुपात में परिवर्तन होने पर अर्जित होती है, का समायोजन साझेदारों के पूँजी खातों/ चालू खातों के माध्यम से किया जाना चाहिए।इस आधार पर पुस्तकों में ख्याति खाता नहीं खोला जा सकता है क्योंकि इस दशा में कोई प्रतिफल नहीं चुकाया जाता है।

प्रश्न 7 साझेदार के प्रवेश पर संचित लाभ और हानि का लेखांकन व्यवहार क्या होगा?

उत्तर – संचित लाभ (Accumulated Profits):

प्रायः नये साझेदार के प्रवेश के समय फर्म की पुस्तकों में अनेक संचित अथवा अवितरित लाभ विद्यमान रहते हैं।यह वे लाभ होते हैं जिन्हें पुरानी फर्म द्वारा अर्जित किये गये तथा उन्हें फर्म में ही रख लिया गया था अर्थात् उन्हें साझेदारों के पूँजी खातों में क्रेडिट नहीं किया गया था।संचित अथवा अवितरित लाभों के कतिपय उदाहरण निम्न प्रकार हैं।

1. General Reserve (सामान्य संचय)
2. Reserve Fund (संचय कोष)
3. Building Reserve Fund (भवन संचय कोष)
4. Profit & Loss A/c (Cr.) (लाभ-हानि खाते का क्रेडिट शेष)
5. Contingency Reserve (संदिग्धताओं हेतु संचय), आदि।वस्तुतः ऐसे संचय पुराने साझेदारों द्वारा संचालित व्यापार के फलस्वरूप अर्जित किये गये थे।

संचित अथवा अवितरित हानियाँ एवं आस्थगित व्यय (Accumulated Losses and Deferred Expenses): उपरोक्त के विपरीत चिट्ठे के सम्पत्ति पक्ष की ओर अनेक संचित अथवा अवितरित हानियाँ भी विद्यमान हो सकती हैं।यथा

1. Dr. Balance of Profit & Loss A/c (लाभ-हानि खाते का डेबिट शेष)
2. Deferred Expenses (आस्थगित व्यय) यथा विज्ञापन व्यय, अंशों व ऋणपत्रों के निर्गमन पर बट्टा आदि।

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

ऐसी संचित अथवा अवितरित हानियाँ भी पुरानी फर्म द्वारा ही वहन की गई होती हैं।अतः नये साझेदार के प्रवेश के समय इनका समायोजन करना अत्यन्त आवश्यक होता है।संचित अथवा अवितरित लाभों व हानियों का समायोजन:

(1) जब साझेदार के प्रवेश के पूर्व बनाए गये संचय या कोष आदि होते हैं तो इन्हें पुराने साझेदारों में, पुराने लाभ-हानि अनुपात में उनके पूँजी खातों अथवा चालू खातों (जैसी भी स्थिति हो) में निम्न जर्नल प्रविष्टि द्वारा हस्तान्तरित कर दिया जाता है।

Reserve or Fund A/c	Dr.	
To Old Partners' Capital A/cs		

(2) यदि फर्म में कोई अवितरित लाभ (P & LA/c का Credit Balance) होते हैं तो नये साझेदार के प्रवेश के पूर्व इन्हें पुराने साझेदारों में पुराने लाभ-हानि अनुपात में वितरित कर दिया जाता है।इस सम्बन्ध में निम्नलिखित जर्नल प्रविष्टि की जाती है।

Profit and Loss A/c	Dr.	
To Old Partners' Capital A/cs		

(3) आस्थगित व्यय: जब नये साझेदार को प्रवेश दिया जाता है उस समय यदि फर्म में आस्थगित व्यय (अधिक विज्ञापन आदि) होते हैं तो यह भी अवितरित हानि की तरह ही होते हैं तथा इन्हें पुराने साझेदारों के पूँजी खातों या चालू खातों से अपलिखित कर दिया जाता है।जर्नल प्रविष्टि होगी।

Old Partners' Capital A/cs	Dr.	
To Deferred Expenses A/c		

(4) लाभ - हानि खाते का डेबिट शेष: यदि नये साझेदार के प्रवेश के समय पुराने साझेदारों के लाभ-हानि खाते में डेबिट (नाम) शेष है तो इसके लिए निम्नांकित प्रविष्टि की जाती है।

Old Partners' Capital A/cs	Dr.	
To Profit and Loss A/c		

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

प्रश्न 8 पुनर्मूल्यांकन के पश्चात् फर्म की परिसम्पत्तियाँ एवं दायित्व किस मूल्य पर फर्म की पुस्तकों में दर्शाये जाते हैं? काल्पनिक तुलन पत्र की सहायता से समझाएँ।

उत्तर – पुनर्मूल्यांकन के पश्चात् फर्म की परिसम्पत्तियाँ एवं दायित्व चालू बाजार मूल्यों अर्थात् पुनर्मूल्यांकित मूल्यों पर फर्म की पुस्तकों में दर्शाये जाते हैं।

इसे निम्न उदाहरण द्वारा समझा जा सकता है।

उदाहरण: राम और श्याम बराबर लाभ विभाजन करते हुए साझेदार हैं।1 अप्रैल, 2021 को उनका तुलन पत्र (Balance Shect) निम्न प्रकार है।

Balance Sheet of Ram and Shyam as on April 01, 2021:

Liabilities		Amount ₹	Assets	Amount ₹
Sundry Creditors		1,20,000	Cash at Bank	56,000
Capital Accounts :			Debtors	40,000
Ram	75,000		Stock	36,000
Shyam	75,000	1,50,000	Furniture	38,000
			Plant and Machinery	1,00,000
		2,70,000		2,70,000

उक्त तिथि को मोहन को लाभों में 1/3 भाग के लिए साझेदारी में प्रवेश दिया गया जो कि ₹ 1,00,000 पूँजी के रूप में लायेगा।

निम्न समायोजन किये जाना तय किया गया:

1. स्टॉक का बाजार मूल्य ₹ 51,000 है।
2. देनदारों के विरुद्ध ₹ 2,000 का आयोजन किया गया।
3. फर्नीचर ₹ 36,000 पर पुनर्मूल्यांकित किया गया।
4. ₹ 40,000 की एक मशीनरी का लेखा पुस्तकों में करने से रह गया था।
5. बकाया किराया ₹ 1,000।

Revaluation Alc:

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

Particulars		Amount ₹	Particulars	Amount ₹
To Provision for Debtors		2,000	By Stock (51,000 – 36,000)	15,000
To Furniture (38,000 – 36,000)		2,000	By Machinery	40,000
To Rent Outstanding		1,000		
To Profit transferred to :				
Ram's Capital A/c	25,000			
Shyam's Capital A/c	25,000	50,000		
		55,000		55,000

Partners' Capital Accounts

Particulars	Ram ₹	Shyam ₹	Mohan ₹	Particulars	Ram ₹	Shyam ₹	Mohan ₹
To Balance c/d	1,00,000	1,00,000	1,00,000	By Balance b/d	75,000	75,000	–
				By Bank A/c	–	–	1,00,000
				By Revaluation A/c	25,000	25,000	–
	1,00,000	1,00,000	1,00,000		1,00,000	1,00,000	1,00,000

Balance Sheet of Ram, Shyam and Mohan as on April 01, 2021 Amount:

Liabilities		Amount ₹	Assets		Amount ₹
Sundry Creditors		1,20,000	Cash at Bank (56,000 + 1,00,000)		1,56,000
Capital A/cs :			Debtors	40,000	
Ram	1,00,000		*Less* : Provision	2,000	38,000
Shyam	1,00,000		Stock		51,000
Mohan	1,00,000	3,00,000	Furniture		36,000
Rent Outstanding		1,000	Plant & Machinery		1,40,000
		4,21,000			4,21,000

SHIVOM CLASSES 8696608541

संख्यात्मक प्रश्न:

प्रश्न 1 अ और ब फर्म में साझेदार हैं।उनका लाभ विभाजन अनुपात 3 : 2 है।वेस को साझेदारी में 1/6 भाग के लाभ के लिए प्रवेश देते हैं।नए लाभ विभाजन अनुपात की गणना करें।

उत्तर – अ और ब का लाभ विभाजन अनुपात = 3 : 2

स को साझेदारी में हिस्सा = 1/6 भाग

माना कुल लाभ 1 है।

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

अत: नई फर्म में अ और ब का कुल हिस्सा = 1 - 1/6 = 5/6

अ का नई फर्म में लाभ अनुपात = $\frac{3}{5} \times \frac{5}{6} = \frac{3}{6}$
ब का नई फर्म में लाभ अनुपात = $\frac{2}{5} \times \frac{5}{6} = \frac{2}{6}$
स का नई फर्म में लाभ अनुपात = 1/6
अतः नया लाभ विभाजन अनुपात होगा
$\frac{3}{6} : \frac{2}{6} : \frac{1}{6} = 3 : 2 : 1$

प्रश्न 2 अ, ब और स एक फर्म में साझेदार हैं।लाभ विभाजन अनुपात 3 : 2 : 1 है।वे द को 10% लाभ के लिए प्रवेश देते हैं।नए लाभ विभाजन अनुपात की गणना करें।

उत्तर – अ, ब तथा स का पुराना लाभ विभाजन अनुपात = 3 : 2 : 1

द को 10% लाभ के लिए साझेदारी में प्रवेश दिया जाता है।

माना कुल लाभ है = 1

अत: नई फर्म में अ, ब तथा स का कुल लाभ बचा = 1 - 1/100 = 9/10

अ, ब तथा स का नया अनुपात = पुराना अनुपात x अ, ब तथा स का फर्म में बचा कुल लाभ

अ का नया अनुपात = $\frac{3}{6} \times \frac{9}{10} = \frac{27}{60} = \frac{9}{20}$
ब का नया अनुपात = $\frac{2}{6} \times \frac{9}{10} = \frac{18}{60} = \frac{6}{20}$
स का नया अनुपात = $\frac{1}{6} \times \frac{9}{10} = \frac{9}{60} = \frac{3}{20}$
ज्ञात है द का नया अनुपात = 10 या 20
अतः नया लाभ विभाजन अनुपात = $\frac{9}{20} : \frac{6}{20} : \frac{3}{20} : \frac{2}{20}$
= 9 : 6 : 3 : 2

प्रश्न 3 X और Y साझेदार हैं।लाभ विभाजन अनुपात 5 : 3 है।z को 1/10 भाग के लिए प्रवेश देते हैं जो कि वह X और Y से समान रूप से अधिग्रहण करता है।नए लाभ विभाजन अनुपात की गणना करें।

उत्तर – X और Y का पुराना लाभ विभाजन अनुपात = 5 : 3

Z को प्रवेश देते हैं लाभों में 1/10 भाग के लिए जिसे वह X और Y दोनों से बराबर प्राप्त करता है।

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

अत: Z प्रत्येक से प्राप्त करता है $\frac{1}{10} \times \frac{1}{2} = \frac{1}{20}$

अत: X का नया लाभ विभाजन अनुपात = $\frac{5}{8} - \frac{1}{20} = \frac{25-2}{40} = \frac{23}{40}$

Y का नया लाभ विभाजन अनुपात = $\frac{3}{8} - \frac{1}{20} = \frac{15-2}{40} = \frac{13}{40}$

अतः सभी साझेदारों का नया लाभ विभाजन अनुपात =

$\frac{23}{40} : \frac{13}{40} : \frac{1}{10} = \frac{23:13:4}{40}$ = 23 : 13:4

प्रश्न 4 अ, ब और स साझेदार हैं।लाभ का विभाजन 2 : 2 : 1 के अनुपात से करते हैं।वे द को 1/8 भाग के लिए प्रवेश देते हैं जो कि वह असे अधिग्रहित करता है।नए लाभ विभाजन अनुपात की गणना करें।

उत्तर – अ, ब, स का लाभ विभाजन अनुपात = 2 : 2 : 1

द को प्रवेश दिया जाता है 1/8 भाग के लिए जिसे वह पूर्णत: अ से प्राप्त करता है।

अत: अ का नया लाभ विभाजन अनुपात = $\frac{2}{5} - \frac{1}{8} = \frac{16-5}{40} = \frac{11}{40}$

अ, ब, स तथा द का नया लाभ विभाजन अनुपात होगा:

$\frac{11}{40} : \frac{2}{5} : \frac{1}{5} : \frac{1}{8} = \frac{11:16:8:5}{40}$

= 11 : 16 : 8 :5

प्रश्न 5 P और Q साझेदार हैं।उनका लाभ विभाजन अनुपात 2 : 1 है।वे R को साझेदारी में 1/5 भाग के लिए प्रवेश देते हैं जिसे R, P और Q से 1 : 2 के अनुपात में अधिग्रहण करता है।नए लाभ विभाजन अनुपात की गणना करें।

उत्तर – P और Q का लाभ विभाजन अनुपात = 2 : 1

R को साझेदारी में प्रवेश देते हैं 1/5 भाग के लिए जिसे वह P और Q से 1 : 2 के अनुपात में प्राप्त करता है।

P द्वारा किया गया त्याग = R का हिस्सा x 1/3

$= \frac{1}{5} \times \frac{1}{3} = \frac{1}{15}$

Q द्वारा किया गया त्याग = R का हिस्सा x 2/3

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

$= \frac{1}{5} \times \frac{2}{3} = \frac{2}{15}$

अतः P का नया लाभ विभाजन अनुपात = $\frac{2}{3} - \frac{1}{15} = \frac{10-1}{15} = \frac{9}{15} = \frac{3}{5}$

Q का नया लाभ विभाजन अनुपात = $\frac{1}{3} - \frac{2}{15} = \frac{5-2}{15} = \frac{3}{15} = \frac{1}{5}$

R का लाभ विभाजन अनुपात = 1/5

नया लाभ विभाजन अनुपात =

$\frac{3}{5} : \frac{1}{5} : \frac{1}{5}$ = 3 : 1:1

प्रश्न 6 अ, ब और स साझेदार हैं।लाभ का विभाजन 3 : 2 : 2 के अनुपात में करते हैं।वे द को 1/5 भाग के लिए साझेदारी में प्रवेश देते हैं जो कि वह अ, ब और स से क्रमशः 2 : 2 : 1 के अनुपात में अधिग्रहण करता है।नए लाभ विभाजन अनुपात की गणना करें।

उत्तर –

अ, ब तथा स का लाभ विभाजन अनुपात = 3 : 2 : 2 or $\frac{3}{7} : \frac{2}{7} : \frac{2}{7}$

वे द को साझेदारी में 1/5 भाग के लिए प्रवेश देते हैं जो कि अ, ब और स से क्रमशः 2 : 2 : 1 के अनुपात में प्राप्त करता है।

अ का त्याग = द का हिस्सा × 2/5

$= \frac{1}{5} \times \frac{2}{5} = \frac{2}{25}$

ब का त्याग = द का हिस्सा × 2/5

$= \frac{1}{5} \times \frac{2}{5} = \frac{2}{25}$

स का त्याग = द का हिस्सा × 1/5

$= \frac{1}{5} \times \frac{1}{5} = \frac{1}{25}$

नया अनुपात = पुराना अनुपात - नया अनुपात

अ का नया अनुपात = $\frac{3}{7} - \frac{2}{25} = \frac{75-14}{175} = \frac{61}{175}$

ब का नया अनुपात = $\frac{2}{7} - \frac{2}{25} = \frac{50-14}{175} = \frac{36}{175}$

स का नया अनुपात = $\frac{2}{7} - \frac{1}{25} = \frac{50-7}{175} = \frac{43}{175}$

अतः अ, ब, स तथा द का नया अनुपात =

$\frac{61}{175} : \frac{36}{175} : \frac{43}{175} : \frac{1}{5} . = \frac{61:36:43:35}{175}$

= 61 : 36 : 43 : 35

प्रश्न 7 अ और ब एक फर्म में साझेदार हैं।लाभ का विभाजन 3 : 2 के अनुपात में करते हैं।वेस को 3/7 भाग के लिए प्रवेश देते हैं जो कि वह असे 2/7 और ब से 1/7 भाग लेता है।नए लाभ विभाजन अनुपात की गणना करें।

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

उत्तर – अ और ब का लाभ विभाजन अनुपात = 3 : 2

स को प्रवेश देते हैं 3/7 भाग के लिए जो कि अ से 2/7 और ब से 1/7 लेता है।

अ का त्याग = 2/7

ब का त्याग = 1/7

नया अनुपात = पुराना अनुपात - त्याग अनुपात

अ का नया अनुपात = $\frac{3}{5} - \frac{2}{7} = \frac{21-10}{35} = \frac{11}{35}$

ब का नया अनुपात = $\frac{2}{5} - \frac{1}{7} = \frac{14-5}{35} = \frac{9}{35}$

अतः अ, ब तथा स का नया लाभ विभाजन अनुपात = $\frac{11}{35} : \frac{9}{35} : \frac{3}{7} = \frac{11:9:15}{35}$

= 11: 9 : 15

प्रश्न 8 अ, ब और स एक फर्म में साझेदार हैं।लाभ का विभाजन 3 : 3 : 2 के अनुपात में करते हैं।वे द को 4/7 भाग के लिए प्रवेश देते हैं।द अपना भाग अ से 2/7, ब से 1/7 और स से 1/7 लेता है।नए लाभ विभाजन अनुपात की गणना करें।

उत्तर –

अ, ब तथा स का पुराना अनुपात = 3 : 3 : 2 or $\frac{3}{8} : \frac{3}{8} : \frac{2}{8}$

द का भाग 4/7 जो कि वह 2/7 असे, 1/7 ब से और 1/7 स से लेता है।

अ, ब, तथा स का नया अनुपात = पुराना अनुपात - त्याग अनुपात

अ का नया अनुपात = $\frac{3}{8} - \frac{2}{7} = \frac{21-16}{56} = \frac{5}{56}$

ब का नया अनुपात = $\frac{3}{8} - \frac{1}{7} = \frac{21-8}{56} = \frac{13}{56}$

स का नया अनुपात = $\frac{2}{8} - \frac{1}{7} = \frac{14-8}{56} = \frac{6}{56}$

अतः अ, ब, स तथा द का नया लाभ विभाजन अनुपात = $\frac{5}{56} : \frac{13}{56} : \frac{6}{56} : \frac{4}{7} = \frac{5:13:6:32}{56}$

= 5: 13 : 6 : 32

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

प्रश्न 9 राधा और रुकमणी फर्म में साझेदार हैं तथा लाभ का विभाजन 3 : 2 के अनुपात में करती हैं।वे गोपी को साझेदारी में प्रवेश देती हैं।राधा अपने भाग का 1/3 और रुकमणी अपने भाग का 1/4 भाग गोपी के पक्ष में समर्पित करती हैं।नए लाभ विभाजन अनुपात की गणना करें।

उत्तर –

राधा और रुकमणी का लाभ विभाजन अनुपात = 3 : 2 or $\frac{3}{5} : \frac{2}{5}$
राधा गोपी के पक्ष में अपने भाग का 1/3 समर्पित करती है,
अत: राधा का त्याग अनुपात = $\frac{3}{5} \times \frac{1}{3} = \frac{1}{5}$
रुकमणी गोपी के पक्ष में अपने भाग का 1/4 समर्पित करती है,
अत: रुकमणी का त्याग अनुपात = $\frac{2}{5} \times \frac{1}{4} = \frac{1}{10}$
राधा और रुकमणी का नया अनुपात = पुराना अनुपात - त्याग अनुपात
अतः राधा का त्य अनुपात = $\frac{3}{5} - \frac{1}{5} = \frac{2}{5}$
रुकमणी का नया अनुपात = $\frac{2}{5} - \frac{1}{10} = \frac{4-1}{10} = \frac{3}{10}$
गोपी का लाभ अनुपात = $\frac{1}{5} + \frac{1}{10} = \frac{2+1}{10} = \frac{3}{10}$
अतः राधा, रुकमणी तथा गोपी का नया लाभ विभाजन अनुपात =
$\frac{2}{5} : \frac{3}{10} : \frac{3}{10} = \frac{4:3:3}{10}$
= 4 : 3 : 3

प्रश्न 10 सिंह, गुप्ता और खान एक फर्म में साझेदार हैं।लाभ का विभाजन 3 : 2 : 3 के अनुपात में करते हैं।वे जैन को साझेदारी में प्रवेश देते हैं।सिंह अपने भाग का 1/3 भाग, गुप्ता अपने भाग का 1/4 भाग और खान अपने भाग का 1/5 भाग जैन के पक्ष में त्याग करत हैं।नए लाभ विभाजन अनुपात की गणना करें।

उत्तर –

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

सिंह, गुप्ता तथा खान का लाभ विभाजन अनुपात = 3 : 2 : 3 or $\frac{3}{8} : \frac{2}{8} : \frac{3}{8}$

सिंह जैन के पक्ष में अपने भाग का 1/3 त्याग करता है,

अत: सिंह का त्याग अनुपात = $\frac{3}{8} \times \frac{1}{3} = \frac{3}{24}$

गुप्ता अपने भाग का 1/4 भाग जैन के पक्ष में त्याग करता है,

अत: गुप्ता का त्याग अनुपात = $\frac{2}{8} \times \frac{1}{4} = \frac{2}{32}$

खान अपने हिस्सा का imm भाग जैन के पक्ष में त्याग करता है,

अत: खान का त्याग अनुपात = $\frac{3}{8} \times \frac{1}{5} = \frac{3}{40}$

नया अनुपात = पुराना अनुपात - त्याग अनुपात

सिंह का नया अनुपात = $\frac{3}{8} - \frac{3}{24} = \frac{9-3}{24} = \frac{6}{24}$

गुप्ता का नया अनुपात = $\frac{2}{8} - \frac{2}{32} = \frac{8-2}{32} = \frac{6}{32}$

खान का नया अनपात = $\frac{3}{8} - \frac{3}{40} = \frac{15-3}{40} = \frac{12}{40}$

जन का नया अनुपात = $\frac{3}{24} + \frac{2}{32} + \frac{3}{40} = \frac{60+30+36}{480}$

$= \frac{126}{480} = \frac{21}{80}$

अतः सिंह, गुप्ता, खान और जैन का नया लाभ विभाजन अनुपात =

$\frac{6}{24} : \frac{6}{32} : \frac{12}{40} : \frac{21}{80} = \frac{120:90:144:126}{480}$

= 120 : 90 : 144 : 126

= 20 : 15 : 24 : 21

प्रश्न 11 संदीप और नवदीप फर्म में साझेदार हैं।लाभ का विभाजन 5 : 3 के अनुपात में करते हैं।वे स को फर्म में प्रवेश देते हैं और नए लाभ विभाजन को 4 : 2 : 1 के अनुपात में विभाजित करने के लिए सहमत हैं।त्याग अनुपात की गणना करें।

उत्तर – संदीप और नवदीप का पुराना लाभ विभाजन अनुपात = 5 : 3

फर्म का नया लाभ विभाजन अनुपात =

संदीप	:	नवदीप	:	स
4	:	2	:	1

त्याग अनुपात = पुराना अनुपात - नया अनुपात

अत: संदीप का त्याग अनुपात = $\frac{5}{8} - \frac{4}{7} = \frac{35-32}{56} = \frac{3}{56}$

नवदीप का त्याग अनुपात = $\frac{3}{8} - \frac{2}{7} = \frac{21-16}{56} = \frac{5}{56}$

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

अत: संदीप तथा नवदीप का त्याग अनुपात =

$$\frac{3}{56} : \frac{5}{56}$$
$$= 3:5$$

प्रश्न 12 राव और स्वामी फर्म में साझेदार हैं।लाभ का विभाजन 3 : 2 के अनुपात में करते हैं।वे रवि को 1/8 भाग के लाभ के लिए साझेदार बनाते हैं।राव और स्वामी के बीच नया लाभ विभाजन अनुपात 4 : 3 है।नए लाभ विभाजन अनुपात और त्याग अनुपात की गणना करें।

उत्तर – राव और स्वामी का पुराना अनुपात = 3 : 2 रवि को लाभों में 1/8 भाग के लिए प्रवेश देते हैं।

माना लाभ = 1

अतः राम और स्वामी का सम्मिलित भाग = 1 - रवि का भाग

= 1 - 1/8 = 7/8

राव और स्वामी का नया लाभ विभाजन अनुपात = 4 : 3

अत: राव का नया अनुपात = $\frac{7}{8} \times \frac{4}{7} = \frac{4}{8}$
स्वामी का नया अनुपात = $\frac{7}{8} \times \frac{3}{7} = \frac{3}{8}$

रवि का लाभ विभाजन अनुपात = 1/8

अतः नया लाभ विभाजन अनुपात =

राव	:	स्वामी	:	रवि
$\frac{4}{8}$	:	$\frac{3}{8}$	:	$\frac{1}{8}$
4	**:**	**3**	**:**	**1**

त्याग अनुपात = पुराना अनुपात - नया अनुपात

राव का त्याग अनुपात = $\frac{3}{5} - \frac{4}{8} = \frac{24-20}{40} = \frac{4}{40}$
स्वामी का त्याग अनुपात = $\frac{2}{5} - \frac{3}{8} = \frac{16-15}{40} = \frac{1}{40}$

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

अत: त्याग अनुपात = राव : स्वामी

प्रश्न 13 ख्याति के मूल्य की गणना पाँच वर्षों के औसत लाभ के 4 वर्षों के क्रय के आधार पर करें।पिछले पाँच वर्षों का लाभ इस प्रकार है:

	राशि (₹)
2012	40,000
2013	50,000
2014	60,000
2015	50,000
2016	60,000

उत्तर –

वर्षों	लाभ (₹)
2012	40,000
2013	50,000
2014	60,000
2015	50,000
2016	60,000
5 वर्षों का कुल लाभ	2,60,000

$$\text{औसत लाभ} = \frac{2,60,000}{5} = ₹\ 52,000$$

ख्याति = औसत लाभ x क्रय वर्षों की संख्या

= 52,000 x 4 = ₹ 2,08,000

प्रश्न 14 व्यवसाय में विनियोजित पूँजी 2,00,000 रुपये है।फर्म की पूँजी पर प्रत्याय की दर 15% है।वर्ष 2016-17 के दौरान फर्म ने 48,000 रु. का लाभ अर्जित किया।ख्याति की गणना अधिलाभ के 3 वर्षों के क्रय के आधार पर करें।

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

उत्तर – विनियोजित पूँजी = ₹ 2,00,000;

पूँजी पर प्रत्याय की दर = 15%

वास्तविक लाभ = ₹ 48,000

सामान्य लाभ = 2,00,000 x 15/100 = ₹ 30,000

अधिलाभ = वास्तविक लाभ - सामान्य लाभ

= 48,000 - 30,000 =₹ 18,000

ख्याति = अधिलाभ x क्रय वर्षों की संख्या = ₹ 18,000 x 3

= ₹ 54,000

प्रश्न 15 31 मार्च, 2017 को राम और भारत की पुस्तकें ₹ 5,00,000 फर्म की पूँजी को दर्शाती हैं और गत 5 वर्षों का लाभ क्रमशः ₹ 40,000,₹ 50,000,₹ 55,000,₹ 70,000 और ₹ 85,000 है।ख्याति के मूल्य की गणना गत 5 वर्षों के औसत अधिलाभों के 3 वर्ष के क्रय के आधार पर यह मानते हुए करें कि सामान्य प्रतिफल दर 10% है।

उत्तर –

$$\text{औसत वास्तविक लाभ} = \frac{\text{सम्बन्धित वर्षों का कुल लाभ}}{\text{सम्बन्धित वर्षों की संख्या}}$$

$$= \frac{40,000 + 50,000 + 55,000 + 70,000 + 85,000}{5}$$

$$= \frac{3,00,000}{5}$$

= ₹ 60,000

$$\text{सामान्य लाभ} = \text{विनियोजित पूँजी} \times \frac{\text{सामान्य प्रत्याय दर}}{100}$$

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

$$= 5,00,000 \times \frac{10}{100}$$

$$= ₹50,000$$

= ₹ 50,000

औसत अधिलाभ = औसत वास्तविक लाभ - सामान्य लाभ

=60,000 - 50,000

= ₹ 10,000

ख्याति = औसत अधिलाभ x क्रय वर्षों की संख्या

= 10,000 x 3

= ₹ 30,000

प्रश्न 16 राजन और रजनी फर्म में साझेदार हैं।उनकी पूँजी राजन ₹ 3,00,000 और रजनी ₹ 2,00,000 है।वर्ष 2015 - 16 के दौरान फर्म ने ₹ 1,50,000 का लाभ अर्जित किया।पूँजीगत विधि से ख्याति की गणना यह मानते हुए करें कि सामान्य प्रत्याय दर 20% है।

उत्तर – फर्म की विनियोजित पूँजी = राजन की पूँजी + रजनी की पूँजी

= ₹ 3,00,000 + ₹ 2,00,000

= ₹ 5,00,000

सामान्य प्रत्याय दर = 20%

$$\text{पूँजीकृत मूल्य} = \text{वास्तविक लाभ} \times \frac{100}{\text{सामान्य प्रत्याय दर}}$$

= 1,50,000 x 100/20

= ₹ 7,50,000

ख्याति = पूँजीकृत मूल्य - विनियोजित पूँजी

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

=7,50,000 - 5,00,000

= ₹ 2,50,000

प्रश्न 17 गत कुछ वर्षों के दौरान एक व्यापार ने ₹ 1,00,000 औसत लाभ अर्जित किया।ख्याति के मूल्य की गणना पूँजी करण विधि द्वारा करें यदि व्यवसाय की परिसम्पत्तियाँ ₹ 10,00,000 और बाह्य दायित्व ₹ 1,80,000 हैं।सामान्य प्रतिफल दर 10% है।

उत्तर – विनियोजित पूँजी = व्यवसाय की परिसम्पत्तियाँ - बाह्य दायित्व

= 10,00,000 - 1,80,000 = ₹ 8,20,000

$$\text{औसत लाभों का पूँजीकृत मूल्य} = \text{औसत लाभ} \times \frac{100}{\text{सामान्य प्रतिफल दर}}$$

= 1,00,000 x 100/10

= ₹ 10,00,000

ख्याति = पूँजीकृत मूल्य - विनियोजित पूँजी

= 10,00,000 - 8.20,000

= ₹ 1,80,000

प्रश्न 18 वर्मा और शर्मा एक फर्म में साझेदार हैं।लाभ और हानि का विभाजन 5 : 3 के अनुपात में करते हैं।वे घोष को 1/5 भाग के लाभों के लिए साझेदार बनाते हैं।घोष पूँजी के रूप में ₹ 20,000 और अपने भाग की ख्याति के लिए ₹ 4,000 लाता है।आवश्यक रोजनामचा प्रविष्टियाँ करें।

(अ) जब ख्याति की राशि को व्यवसाय में रखा जाएगा।

(ब) जब ख्याति की पूर्ण राशि को निकाला जाए।

(स) जब ख्याति की राशि का 50% निकाला जाए।

(द) जब ख्याति का भुगतान निजी रूप से कर दिया जाए।

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

उत्तर – Journal:

Date	Particulars	L. F.	Amount Dr.	Amount Cr.
			₹	₹
(अ)				
(1)	Bank A/c Dr. To Ghosh's Capital A/c To Premium for Goodwill A/c (Capital and Goodwill of his share brought by Ghosh in cash)		24,000	 20,000 4,000
(2)	Premium for Goodwill A/c Dr. To Verma's Capital A/c To Sharma's Capital A/c (Goodwill brought by Ghosh credited to Old Partners in their sacrificing ratio)		4,000	 2,500 1,500
(ब)				
(1)	Bank A/c Dr. To Ghosh's Capital A/c To Premium for Goodwill A/c (Capital and Goodwill brought by Ghosh in cash)		24,000	 20,000 4,000
(2)	Premium for Goodwill A/c Dr. To Verma's Capital A/c To Sharma's Capital A/c (Goodwill brought by Ghosh credited to Old Partners in their sacrificing ratio)		4,000	 2,500 1,500
(3)	Verma's Capital A/c Dr. Sharma's Capital A/c Dr. To Bank A/c (Amount of Premium for Goodwill withdrawn by Old Partners)		2,500 1,500	 4,000
(स)				
(1)	Bank A/c Dr. To Ghosh's Capital A/c To Premium for Goodwill A/c (Capital and Goodwill brought by Ghosh in cash for 1/5 share of profit)		24,000	 20,000 4,000
(2)	Premium for Goodwill A/c Dr. To Verma's Capital A/c To Sharma's Capital A/c (Goodwill brought by Ghosh credited to Old Partners in their sacrificing ratio)		4,000	 2,500 1,500
(3)	Verma's Capital A/c Dr. Sharma's Capital A/c Dr. To Bank A/c (Half of the amount of premium for Goodwill withdrawn by Old Partners)		1,250 750	 2,000
(द)	**No entry :** निजी रूप से भुगतान की कोई प्रविष्टि नहीं की जायेगी।			

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

प्रश्न 19 अ और ब फर्म में साझेदार हैं।लाभ का विभाजन 3 : 2 के अनुपात में करते हैं।वे को लाभ में 1/4 भाग के लिए साझेदारी में प्रवेश देते हैं।स पूँजी के लिए ₹ 30,000 और ख्याति की आवश्यक राशि रोकड़ में लाता है।फर्म की ख्याति का मूल्यांकन ₹ 20,000 किया गया।नया लाभ विभाजन अनुपात 2: 1: 1 है।अ और ब अपने भाग की राशि को निकाल लेते हैं।रोजनामचा प्रविष्टियाँ दें।

उत्तर – Journal:

Date	Particulars	L. F.	Amount Dr.	Amount Cr.
			₹	₹
(1)	Bank A/c Dr.		35,000	
	To C's Capital A/c			30,000
	To Premium for Goodwill A/c			5,000
	(Being amount of Capital and Share of Goodwill brought by C in cash)			
(2)	Premium for Goodwill A/c Dr.		5,000	
	To A's Capital A/c			2,000
	To B's Capital A/c			3,000
	(C's share of Goodwill credited to A and B in their sacrificing ratio i.e. 2 : 3)			
(3)	A's Capital A/c Dr.		2,000	
	B's Capital A/c Dr.		3,000	
	To Bank A/c			5,000
	(Being share of Goodwill withdrawn by Old Partners)			

Note:

(1) ख्याति हेतु C द्वारा लाई जाने वाली राशि

फर्म की कुल ख्याति = ₹ 20,000

C का हिस्सा = 20,000 x 1/4 = ₹ 5,000

(2) त्याग अनुपात की गणना

त्याग अनुपात = पुराना अनुपात - नया अनुपात

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

A का त्याग अनुपात = $\frac{3}{5} - \frac{2}{4} = \frac{12-10}{20} = \frac{2}{20}$

B का त्याग अनुपात = $\frac{2}{5} - \frac{1}{4} = \frac{8-5}{20} = \frac{3}{20}$

अत: A तथा B का त्याग अनुपात =

$\frac{2}{20} : \frac{3}{20} = 2 : 3$

C की ख्याति के ₹ 5,000 को A तथा B में उनके त्याग अनुपात (2 : 3) में बाँटा गया है।

प्रश्न 20 आरती और भारती फर्म में साझेदार हैं।लाभ का विभाजन 3 : 2 के अनुपात में करते हैं।वे सारथी को लाभ में 1/4 भाग के लिए फर्म में प्रवेश देते हैं।सारथी अपनी पूँजी के लिए ₹ 50,000 और 1/4 भाग की ख्याति के लिए ₹ 10,000 लाती है।आरती और भारती की पुस्तकों में ख्याति का मूल्य ₹ 5,000 विद्यमान है।आरती, भारती और सारथी के मध्य का नया लाभ विभाजन का अनुपात 2 : 1 : 1 है।नयी फर्म की पुस्तकों में आवश्यक रोजनामचा प्रविष्टियाँ अभिलेखन करें।

उत्तर – Journal:

Date	Particulars		L. F.	Amount Dr.	Amount Cr.
				₹	₹
(1)	Arti's Capital A/c	Dr.		3,000	
	Bharti's Capital A/c	Dr.		2,000	
	To Goodwill A/c				5,000
	(Being existing Goodwill written off)				
(2)	Bank A/c	Dr.		60,000	
	To Sarthi's Capital A/c				50,000
	To Premium for Goodwill A/c				10,000
	(Being amount of capital and share of Goodwill brought by Sarthi in cash)				
(3)	Premium for Goodwill A/c	Dr.		10,000	
	To Arti's Capital A/c				4,000
	To Bharti's Capital A/c				6,000
	(Premium for Goodwill credited to old partners' capital a/cs in their sacrificing ratio i.e. 2 : 3)				

Note: त्याग के अनुपात की गणना

त्याग का अनुपात = पुराना अनुपात - नया अनुपात

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

आरती का त्याग अनुपात = $\frac{3}{5} - \frac{2}{4} = \frac{12-10}{20} = \frac{2}{20}$

भारती का त्याग अनुपात = $\frac{2}{5} - \frac{1}{4} = \frac{8-5}{20} = \frac{3}{20}$

अतः आरती तथा भारती का त्याग अनुपात = $\frac{2}{20} : \frac{3}{20}$

नये साझेदार सारथी की ख्याति के ₹ 10,000 को आरती तथा भारती में उनके त्याग अनुपात (2 :3) में बाँटा गया

प्रश्न 21 एक्स और वाई साझेदार हैं और 4 : 3 के अनुपात में लाभ व हानि का विभाजन करते हैं।वे जैड को लाभ में 1/8 भाग के लिए प्रवेश देते हैं।जैडर 20,000 पूँजी के लिए और 1/8 भाग ख्याति के लिए ₹ 7,000 लाता है।पुस्तकों में ख्याति खाता पहले से ₹ 40,000 पर विद्यमान है।एक्स, वाई और जैड की पुस्तकों में रोजनामचा प्रविष्टियाँ करें।

उत्तर – Books of X, Y and Z:

Date	Particulars		L. F.	Amount Dr.	Amount Cr.
				₹	₹
(1)	X's Capital A/c	Dr.		22,857	
	Y's Capital A/c	Dr.		17,143	
	To Goodwill A/c				40,000
	(Being existing Goodwill a/c written off)				
(2)	Bank A/c	Dr.		27,000	
	To Z's Capital A/c				20,000
	To Premium for Goodwill A/c				7,000
	(Capital and premium for Goodwill brought in by Z)				
(3)	Premium for Goodwill A/c	Dr.		7,000	
	To X's Capital A/c				4,000
	To Y's Capital A/c				3,000
	(Premium for Goodwill credited to old partners in their sacrificing ratio i.e. 4 : 3)				

Working Note:

त्याग अनुपात की गणना:

त्याग अनुपात = पुराना अनुपात - नया अनुपात

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

आदित्य = $\frac{3}{5} - \frac{2}{4} = \frac{12-10}{20} = \frac{2}{20}$

बालम = $\frac{2}{5} - \frac{1}{4} = \frac{8-5}{20} = \frac{3}{20}$

अतः त्याग अनुपात

$\frac{2}{20} : \frac{3}{20} = \frac{2:3}{20}$

= 2:3

प्रश्न 23 अमर और समर एक फर्म में साझेदार हैं और उनका लाभ-हानि विभाजन अनुपात 3 : 1 है।वे कुँवर को लाभ में 1/4 भाग के लिए प्रवेश देते हैं।कुँवर ख्याति में अपने भाग को नकद लाने में असमर्थ है।कुँवर के प्रवेश पर फर्म की ख्याति ₹ 80,000 पर मूल्यांकित की गई है।कुँवर के प्रवेश पर ख्याति सम्बन्धित रोजनामचा प्रविष्टि दें।

उत्तर – फर्म की कुल ख्याति = ₹ 80,000

1/4 भाग के लिए कुँवर का हिस्सा होगा = 80,000 x 1/4 = ₹ 20,000

Journal

Date	Particulars	L.F	Amount	
			Dr.	Cr.
	Kunwar's Current A/c Dr. To Amar's Capital A/c To Samar's Capital A/c (Kunwar's share of goodwill charged from his current a/c and credited to old partners' capital a/c in their sacrificing ratio i.e. 3: 1)		₹ 20,000	₹ 15,000 5,000

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

नोट : चूँकि नया लाभ विभाजन अनुपात तथा त्याग अनुपात दोनों नहीं दिये गये हैं।अतः पुराने साझेदारों का पुराना लाभ विभाजन अनुपात ही उनका त्याग अनुपात होगा।

प्रश्न 24 मोहन लाल और सोहन लाल फर्म में साझेदार हैं तथा लाभ व हानि का विभाजन 3 : 2 के अनुपात में करते हैं।वे राम लाल को लाभ में 1/4 भाग के लिए प्रवेश देते हैं।यह स्वीकृत हआ है कि फर्म की ख्याति को गत 4 वर्षों के औसत लाभों के 3 वर्षों के क्रय आधार पर मूल्यांकित किया जायेगा।गत 4 वर्षों के लाभ इस प्रकार हैं: 2013 - ₹ 50,000, 2014 - ₹ 60,000, 2015 - ₹ 90,000, 2016 - ₹ 70,000।राम लाल ख्याति में अपना भाग नकद लाने में असमर्थ है।राम लाल के प्रवेश पर आवश्यक रोजनामचा प्रविष्टियाँ दें, जब:

(अ) ख्याति ₹ 2,02,500 पर पुस्तकों में पहले से विद्यमान है।

(ब) ख्याति पुस्तकों में ₹ 2,500 पर दर्शायी गई है।

(स) ख्याति पुस्तकों में ₹ 2,05,000 पर दर्शायी गई है।

उत्तर – फर्म की ख्याति का मूल्यांकन:

$$\text{औसत लाभ} = \frac{\text{गत 4 वर्षों का कुल लाभ}}{4}$$

$$= \frac{50,000+60,000+90,000+70,000}{4}$$

$$= \frac{2.70.000}{4}$$

= ₹ 67,500

ख्याति = औसत लाभ - क्रय किये वर्षों की संख्या

= 67,500 x 3

= ₹ 2,02,500

ख्याति में राम लाल का हिस्सा:

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

ख्याति का कुल मूल्य x लाभ में राम लाल का भाग

= 2,02,500 x 1/4

= ₹ 50,625

त्याग अनुपात: चूँकि प्रश्न में नया लाभ विभाजन अनुपात तथा त्याग अनुपात नहीं दिया गया है, अतः पुराना लाभ अनुपात के बराबर ही त्याग अनुपात माना जायेगा।

फर्म की कुल ख्याति = ₹ 80,000

1/4 भाग के लिए कुँवर का हिस्सा होगा = 80,000 x 2 = ₹ 20,000

Journal:

Date	Particulars	L. F.	Amount Dr.	Amount Cr.
			₹	₹
	Kunwar's Current A/c Dr.		20,000	
	To Amar's Capital A/c			15,000
	To Samar's Capital A/c			5,000
	(Kunwar's share of goodwill charged from his current a/c and credited to old partners' capital a/c in their sacrificing ratio i.e. 3 : 1)			

नोट : चूँकि नया लाभ विभाजन अनुपात तथा त्याग अनुपात दोनों नहीं दिये गये हैं। अतः पुराने साझेदारों का पुराना लाभ विभाजन अनुपात ही उनका त्याग अनुपात होगा।

प्रश्न 25 राजेश और मुकेश बराबर के साझेदार हैं। वे फर्म में हरि को प्रवेश देते हैं तथा राजेश, मुकेश और हरी के मध्य नया लाभ विभाजन अनुपात 4 : 3 : 2 है। हरि के प्रवेश पर ख्याति की गणना ₹ 36,000 पर की गई है। हरि ख्याति में अपना भाग लाने में असमर्थ है। राजेश, मुकेश और हरि ख्याति तुलन पत्र में न दर्शाने पर सहमत हैं। हरि के प्रवेश पर ख्याति के व्यवहार सम्बन्धी आवश्यक रोजनामचा प्रविष्टियाँ दें।

उत्तर – Books of Rajesh, Mukesh and Hari Journal

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

Date	Particulars	L. F.	Amount Dr.	Amount Cr.
			₹	₹
	Hari's Current A/c Dr.		8,000	
	To Rajesh's Capital A/c			2,000
	To Mukesh's Capital A/c			6,000
	(Being adjustment of Hari's share of Goodwill made)			

नोट: (1) ख्याति में हरि का हिस्सा

फर्म की कुल ख्याति = 36,000

अतः हरि का हिस्सा = 36,000 x 2/9 = ₹ 8,000

(2) त्याग अनुपात की गणना:

राजेश, मुकेश का पुराना अनुपात = $\frac{1}{2} : \frac{1}{2}$

राजेश, मुकेश का नया अनुपात = $\frac{4}{9} : \frac{3}{9}$

त्याग अनुपात = पुराना अनुपात - नया अनुपात

अतः राजेश का त्याग अनुपात = $\frac{1}{2} - \frac{4}{9} = \frac{9-8}{18} = \frac{1}{18}$

मकेश का त्याग अनुपात = $\frac{1}{2} - \frac{3}{9} = \frac{9-6}{18} = \frac{3}{18}$

इस प्रकार राजेश तथा मुकेश का त्याग अनुपात = $\frac{1}{18} : \frac{3}{18} = 1:3$

प्रश्न 26 अमर

और अकबर फर्म में बराबर के साझेदार हैं। एंथोनी नए साझेदार के रूप में प्रवेश करता है तथा नया लाभ विभाजन अनुपात 4 : 3 : 2 है। एंथोनी ख्याति में अपना भाग, जो कि ₹ 45,000 है, नकद लाने में असमर्थ है। ख्याति खाता खोले बगैर ख्याति के समायोजन का निर्णय लिया गया है। ख्याति के व्यवहार हेतु आवश्यक रोजनामचा प्रविष्टि दें।

उत्तर – Books of Amar, Akbar and Anthony Journal:

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

Date	Particulars	L. F.	Amount Dr.	Amount Cr.
			₹	₹
	Anthony's Current A/c Dr.		45,000	
	To Amar's Capital A/c			11,250
	To Akbar's Capital A/c			33,750
	(Anthony's share of Goodwill debited to his current a/c and credited to old partners' capital a/cs in sacrificing ratio)			

नोट: त्याग अनुपात की गणना निम्न प्रकार की गई है:

अमर तथा अकबर का पुराना अनुपात = $\frac{1}{2} : \frac{1}{2}$

अमर तथा अकबर का नया अनुपात = $\frac{4}{9} : \frac{3}{9}$

त्याग का अनुपात = पुरांना अनुपात - नया अनुपात

अतः अमर का त्याग अनुपात = $\frac{1}{2} - \frac{4}{9} = \frac{9-8}{18} = \frac{1}{18}$

अकबर का त्याग अनुपात = $\frac{1}{2} - \frac{3}{9} = \frac{9-6}{18} = \frac{3}{18}$

= 1 : 3

प्रश्न 27 दिया गया तुलन पत्र अ और ब का है जो 31 मार्च, 2017 को साझेदारी व्यवसाय चला रहे हैं। अ और ब 2 : 1 के अनुपात में लाभ-हानि का बँटवारा करते हैं।

31 मार्च, 2017 को अ और ब का तुलन पत्र (Balance Sheet):

दायित्व (Liabilities)		राशि (Amount) ₹	परिसम्पत्तियाँ (Assets)	राशि (Amount) ₹
देय विपत्र (Bills Payable)		10,000	हस्तस्थ रोकड़ (Cash in Hand)	10,000
लेनदार (Creditors)		58,000	बैंकस्थ रोकड़ (Cash at Bank)	40,000
बकाया व्यय (Outstanding Expenses)		2,000	विविध देनदार (Sundry Debtors)	60,000
पूँजी (Capitals) :			स्टॉक (Stock)	40,000
A	1,80,000		संयंत्र (Plant)	1,00,000
B	1,50,000	3,30,000	भवन (Buildings)	1,50,000
		4,00,000		4,00,000

निम्न शर्तों पर स नए साझेदार के रूप में उक्त तिथि को प्रवेश करता है:

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

(i) लाभ में 1/4 भाग के लिए स 1,00,000 पूँजी और ₹ 60,000 ख्याति में अपने भाग के लिए लाएगा।

(ii) संयंत्र का मूल्य ₹ 1,20,000 आँका गया और भवन के मूल्य में 10% की वृद्धि हुई।

(iii) स्टॉक का मूल्य ₹ 4,000 अधिक पाया गया।

(iv) देनदारों पर 5% की दर से संदिग्ध-ऋणों के लिए प्रावधान बनाया गया।

(v) गैर-अभिलेखित लेनदारों की राशि ₹ 1,000 पाई गई।

आवश्यक रोजनामचा प्रविष्टियाँ दें।साथ ही स के प्रवेश पर पुनर्मूल्यांकन खाता, साझेदारों के पूँजी खाते और तुलन पत्र तैयार करें।

उत्तर – Books of A, B and C Journal

Date	Particulars	L. F.	Amount Dr.	Amount Cr.
			₹	₹
2017 Mar. 31	Bank A/c Dr.		1,60,000	
	To C's Capital A/c			1,00,000
	To Premium for Goodwill A/c			60,000
	(Being amount for Capital and Premium for Goodwill brought in by C in cash)			
	Premium for Goodwill A/c Dr.		60,000	
	To A's Capital A/c			40,000
	To B's Capital A/c			20,000
	(Premium for Goodwill brought by C credited to old partners' capital accounts in their sacrificing ratio i.e. 2 : 1)			
	Plant A/c Dr.		20,000	
	Building A/c Dr.		15,000	
	To Revaluation A/c			35,000
	(Value of assets increased)			
	Revaluation A/c Dr.		8,000	
	To Stock A/c			4,000
	To Provision for Doubtful Debts A/c			3,000
	To Creditors A/c			1,000
	(Stock revalued, Provision on Debtors made and unrecorded creditors taken in books)			
	Revaluation A/c Dr.		27,000	
	To A's Capital A/c			18,000
	To B's Capital A/c			9,000
	(Profit on revaluation transferred to old partners' capital accounts)			

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

Revalution A/C:

Particulars		Amount ₹	Particulars	Amount ₹
To Stock		4,000	By Plant	20,000
To Provision for Doubtful Debts		3,000	By Building	15,000
To Creditors (Unrecorded)		1,000		
To Profit transferred to :				
A's Capital A/c	18,000			
B's Capital A/c	9,000	27,000		
		35,000		35,000

Partner's Capital Accounts:

Particulars	A ₹	B ₹	C ₹	Particulars	A ₹	B ₹	C ₹
To Balance c/d	2,38,000	1,79,000	1,00,000	By Balance b/d	1,80,000	1,50,000	–
				By Bank	–	–	1,00,000
				By Premium for Goodwill	40,000	20,000	–
				By Revaluation	18,000	9,000	–
	2,38,000	1,79,000	1,00,000		2,38,000	1,79,000	1,00,000

Balance Sheet of A, B and C as on March 31, 2017:

Liabilities		Amount ₹	Assets		Amount ₹
Bills Payable		10,000	Cash in Hand		10,000
Creditors (58,000 + 1,000)		59,000	Cash at Bank (40,000 + 1,60,000)		2,00,000
Outstanding Expenses		2,000	Sundry Debtors	60,000	
Capital :			*Less* : Provision for Doubtful Debts	3,000	57,000
A	2,38,000		Stock (40,000 – 4,000)		36,000
B	1,79,000		Plant		1,20,000
C	1,00,000	5,17,000	Building		1,65,000
		5,88,000			5,88,000

प्रश्न 28 लीला और मीना एक फर्म में साझेदार हैं और लाभ व हानि का विभाजन 5: 3 अनुपात में करती हैं।अप्रैल, 2017 को वे ओम को फर्म में प्रवेश देती हैं ।ओम के प्रवेश तिथि पर लीला और मीना के तुलन पत्र में सामान्य संचय ₹ 16,000 और लाभ व हानि खाता ₹ 24,000 (जमा)

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

दर्शा रहा था।ओम के प्रवेश पर उपरोक्त मदों के व्यवहार हेतु आवश्यक रोजनामचा प्रविष्टियाँ दें।लीला, मीना और ओम के मध्य नया लाभ विभाजन अनुपात 5: 3: 2 है।

उत्तर – Journal:

Date	Particulars		L. F.	Amount Dr.	Amount Cr.
				₹	₹
2017 April	General Reserve A/c	Dr.		16,000	
	Profit & Loss A/c	Dr.		24,000	
	To Leela's Capital A/c				25,000
	To Meena's Capital A/c				15,000
	(General Reserve and Balance of Profit & Loss a/c distributed between old partners in their old ratio)				

प्रश्न 29 अमित और विनय एक फर्म में साझेदार हैं।उनका लाभ विभाजन अनुपात 3 : 1 है।1 अप्रैल, 2017

को वे रंजन को फर्म में प्रवेश देते हैं।रंजन के प्रवेश पर लाभ व हानि खाता ₹ 40,000 (नाम शेष) दर्शा रहा है।आवश्यक रोजनामचा प्रविष्टि दें।

उत्तर –

Date	Particulars		L. F.	Amount Dr.	Amount Cr.
				₹	₹
2017 Apr. 1	Amit's Capital A/c	Dr.		30,000	
	Vinay's Capital A/c	Dr.		10,000	
	To Profit & Loss A/c				40,000
	(Being debit balance of P & L A/c charged from old partners' capital a/cs in their old ratio)				

प्रश्न 30 अ और ब 3/4 और 1/4 अनुपात में लाभों का विभाजन करते हैं।31 मार्च, 2017 को उनका तुलन पत्र इस प्रकार है :01 अप्रैल, 2017 को निम्न शर्तों पर स ने प्रवेश किया :

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

दायित्व (Liabilities)	राशि (Amount) ₹	परिसम्पत्तियाँ (Assets)	राशि (Amount) ₹
विविध लेनदार (Sundry Creditos)	41,500	बैंकस्थ रोकड़ (Cash at Bank)	26,500
संचय निधि (Reserve Fund)	4,000	प्राप्य विपत्र (Bills Receivable)	3,000
पूँजी खाते (Capital A/cs)		देनदार (Debtors)	16,000
A	30,000	स्टॉक (Stock)	20,000
B	16,000	फिक्सचर्स (Fixtures)	1,000
		भूमि व भवन (Land & Building)	25,000
	91,500		91,500

(i) स पूँजी के रूप में ₹ 10,000 देगा।

(ii) स ख्याति के ₹ 5,000 देगा, जिसकी आधी राशि अ और ब आहरित करेंगे।

(iii) स्टॉक और फिक्सचर्स के मूल्य में 10% की दर से कमी होगी तथा विविध देनदारों और प्राप्य विपत्र पर 5% की दर से संदिग्ध ऋणों से प्रावधान बनाया जाएगा।

(iv) भूमि और भवन के मूल्य में 20% की दर से वृद्धि होगी।

(v) फर्म के विरुद्ध क्षतिपूर्ति का दावा है।जिसके लिए ₹ 1,000 तक के दायित्व का सृजन किया जाएगा।

(vi) विविध लेनदारों में सम्मिलित ₹ 650 रुपये की एक मद जिस पर कोई दावा नहीं है, अपलिखित की जाएगी।

यह मानते हुए कि अ और ब के मध्य लाभ विभाजन अनुपात में कोई परिवर्तन नहीं आया है, उपरोक्त सूचनाओं के आधार पर फर्म की पुस्तकों में रोजनामचा प्रविष्टियाँ दें और स के प्रवेश पर नया तुलन-पत्र तैयार करें।

उत्तर – Books of A,B and C Journal:

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

Date	Particulars	L. F.	Amount Dr.	Amount Cr.
			₹	₹
2017				
April 01	Bank A/c Dr.		15,000	
	To C's Capital A/c			10,000
	To Premium for Goodwill A/c			5,000
	(Being Capital and Premium for goodwill brought in by C in cash)			
" 01	Premium for Goodwill A/c Dr.		5,000	
	To A's Capital A/c			3,750
	To B's Capital A/c			1,250
	(Being amount of goodwill brought by C is credited to old partners' capital accounts in their sacrificing ratio i.e. 3 : 1)			
April 01	A's Capital A/c Dr.		1,875	
	B's Capital A/c Dr.		625	
	To Bank A/c			2,500
	(Half of amount withdrawn by old partners)			
" 01	Revaluation A/c Dr.		4,050	
	To Stock A/c			2,000
	To Fixture A/c			100
	To Provision for doubtful debts on Debtors A/c			800
	To Provision for doubtful debts on Bills Receivable A/c			150
	To Claim for Damages A/c			1,000
	(Various assets revalued and liability created)			
" 01	Land and Building A/c Dr.		5,000	
	Sundry Creditors A/c Dr.		650	
	To Revaluation A/c			5,650
	(Asset revalued and Liability written off)			
" 01	Revaluation A/c Dr.		1,600	
	To A's Capital A/c			1,200
	To B's Capital A/c			400
	(Profit on Revaluation transferred to old partners' capital a/cs)			
" 01	Reserve Fund A/c Dr.		4,000	
	To A's Capital A/c			3,000
	To B's Capital A/c			1,000
	(Reserve Fund distributed among old partners)			

Balance Sheet as on 1 April, 2017:

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

Liabilities		Amount ₹	Assets		Amount ₹
Sundry Creditors (41,500 – 650)		40,850	Cash at Bank		39,000
Claim for Damages		1,000	Bills Receivable	3,000	
Capital A/cs :			*Less* : Provision	150	2,850
A	36,075		Debtors	16,000	
B	18,025		*Less* : Provision	800	15,200
C	10,000	64,100	Stock (20,000 – 2,000)		18,000
			Fixtures (1,000 – 100)		900
			Land and Building (25,000 + 5,000)		30,000
		1,05,950			1,05,950

Partners' Capital Accounts:

Particulars	A ₹	B ₹	C ₹	Particulars	A ₹	B ₹	C ₹
To Bank	1,875	625	–	By Balance b/d	30,000	16,000	–
To Balance c/d	36,075	18,025	10,000	By Bank	–	–	10,000
				By Premium for Goodwill	3,750	1,250	–
				By Revaluation	1,200	400	–
				By Reserve Fund	3,000	1,000	–
	37,950	18,650	10,000		37,950	18,650	10,000

Bank Account:

Particulars	Amount ₹	Particulars	Amount ₹
To Balance b/d	26,500	By A's Capital A/c	1,875
To C's Capital A/c	10,000	By B's Capital A/c	625
To Premium for Goodwill	5,000	By Balance c/d	39,000
	41,500		41,500

(3) चूँकि अ और ब के मध्य लाभ विभाजन अनुपात में कोई परिवर्तन नहीं आया है, अतः उनका त्याग अनुपात उनके पुराने लाभ अनुपात में ही होगा। अतः उनका त्याग अनुपात = 3 : 1 होगा।

प्रश्न 31 अ और ब साझेदार हैं। 3 : 1 के अनुपात में लाभ व हानि का विभाजन करते हैं। 01 अप्रैल, 2017 को वे स को लाभों में 1/4 भाग के लिए फर्म में प्रवेश देते हैं। स लाभ में अपने 1/4 भाग के लिए ₹ 20,000 लाता है। ख्याति, परिसम्पत्तियों और दायित्वों के पुनर्मूल्यांकन आदि समायोजनों के पश्चात् अ और ब की पूँजी क्रमशः ₹ 50,000 और ₹ 12,000 है। यह भी निर्णय लिया गया है

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

कि साझेदारों की पूँजी नए लाभ विभाजन अनुपात के अनुरूप होगी।अ और ब की नयी पूँजी की गणना को यह मानते हुए कि अ और ब नए लाभ विभाजन अनुपात के अनुसार पूँजी रखते हुए अतिरिक्त धनराशि लाएँगे या आहरित करेंगे, जैसी भी स्थिति हो, आवश्यक रोजनामचा प्रविष्टियाँ दें।

उत्तर –

Date	Particulars	L. F.	Amount Dr.	Amount Cr.
			₹	₹
2017 Apr. 1	Bank A/c Dr.		20,000	
	To C's Capital A/c			20,000
	(Capital brought in by new partner C)			
"	A's Capital A/c Dr.		5,000	
	To Bank A/c			5,000
	(Excess capital withdrawn by A)			
"	Bank A/c Dr.		3,000	
	To B's Capital A/c			3,000
	(Deficiency in capital made good by cash brought in by B)			

Working Notes :

(1) नये लाभ-हानि अनुपात की गणना:

C का भाग = 1/4

अतः शेष भाग =1- 1/4= ¾

$$\text{A का भाग} = \frac{3}{4} \times \frac{3}{4} = \frac{9}{16}$$

$$\text{B का भाग} = \frac{3}{4} \times \frac{1}{4} = \frac{3}{16}$$

$$\text{C का भाग} = \frac{1}{4} \times \frac{4}{4} = \frac{4}{16}$$

अतः A, B तथा C का नया लाभ-हानि अनुपात = 9 : 3 : 4

(2) A तथा B की नई पूँजी की गणना:

1/4 भाग के लिए C की पूँजी = ₹ 20,000.

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

अतः फर्म की कुल पूँजी होगी = 20,000 X 4/1 = ₹ 80,000

A की पूँजी = 80,000 X 9/16 = ₹ 45,000

अतः A 50,000 - 45,000 = ₹ 5 , 0 0 0 आहरित करेगा।

B की पूँजी = 80,000 X 3/16 = ₹ 15,000

अत: B 15,000 - 12,000 = ₹ 3 , 0 0 0 अतिरिक्त धनराशि लायेगा।

प्रश्न 32 पिंकी, कुमार और रूपा साझेदार हैं और 3: 2: 1 के अनुपात में लाभ-हानि का बँटवारा करते हैं।वे लाभों में 1/4 भाग के लिए सीमा को प्रवेश देते हैं जिसे वह पिंकी से 1 / 8 तथा कुमार और रूपा प्रत्येक से 1/16 के अनुपात में प्राप्त करेगी।सीमा के प्रवेश पर नयी फर्म की कुल पूँजी ₹ 2,40,000 निर्धारित की गई है।सीमा नयी फर्म की कुल पूँजी के 1/4 भाग के बराबर नकद धनराशि लेकर आएगी।पुराने साझेदारों की पूँजी लाभ विभाजन अनुपात के अनुरूप होगी।ख्याति और परिसम्पत्तियों और दायित्वों में पूनर्मूल्यांकन सम्बन्धी समस्त समायोजनों के पश्चात् पिंकी, कुमार और रूपा की पूँजी क्रमश: ₹ 80,000 , ₹ 30,000 और ₹ 20,000 है।सभी साझेदारों की पूँजी की गणना करें और उपरोक्त समायोजनों के पश्चात् पूँजी निर्धारित करने के लिए आवश्यक रोजनामचा प्रविष्टियाँ दें।

उत्तर –

Books of Pinky, Kumar, Rupa and Seema
Journal

Date	Particulars		L. F.	Amount Dr.	Amount Cr.
				₹	₹
(1)	Bank A/c	Dr.		60,000	
	To Seema's Capital A/c				60,000
	(Capital brought in by Seema for 1/4 share in profit)				
(2)	Pinky's Current A/c	Dr.		10,000	
	Kumar's Current A/c	Dr.		35,000	
	Rupa's Current A/c	Dr.		5,000	
	To Pinky's Capital A/c				10,000
	To Kumar's Capital A/c				35,000
	To Rupa's Capital A/c				5,000
	(Partners' capital adjusted in proportion of their profit sharing ratio)				

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

(1) साझेदारों के नये लाभ विभाजन अनुपात की गणना:

नया लाभ अनुपात = पुराना अनुपात - त्याग का अनुपात

नया लाभ अनुपात = पुराना अनुपात – त्याग का अनुपात

पिंकी का नया अनुपात $= \frac{3}{6} - \frac{1}{8} = \frac{24-6}{48} = \frac{18}{48}$

कुमार का नया अनुपात $= \frac{2}{6} - \frac{1}{16} = \frac{16-3}{48} = \frac{13}{48}$

रूपा का नया अनुपात $= \frac{1}{6} - \frac{1}{16} = \frac{8-3}{48} = \frac{5}{48}$

सीमा का अनुपात $= \frac{1}{4} = \frac{1}{4} \times \frac{12}{12} = \frac{12}{48}$

(2) नई फर्म में नये लाभ विभाजन अनुपात में साझेदारों की आवश्यक पूँजी की गणना:

नई फर्म की कुल पूँजी = ₹ 2,40,000

पिंकी $= 2,40,000 \times \frac{18}{48}$ = ₹ 90,000

कुमार $= 2,40,000 \times \frac{13}{48}$ = ₹ 65,000

रूपा $= 2,40,000 \times \frac{5}{48}$ = ₹ 25,000

सीमा $= 2,40,000 \times \frac{12}{48}$ = ₹ 60,000

(3) साझेदारों द्वारा लाई या ले जाई जाने वाली राशि की गणना:

पिंकी = 90,000 – 80,000 = ₹ 10,000 लायेगी।
कुमार = 65,000 – 30,000 = ₹ 35,000 लायेगा।
रूपा = 25,000 – 20,000 = ₹ 5,000 लायेगी।
सीमा नई साझेदार = ₹ 60,000 लायेगी।

(4) पुराने साझेदारों की पूँजी का समायोजन उनके चालू खातों द्वारा किया गया है।

प्रश्न 33 नीचे दिया गया तुलन पत्र अरुण, बबलू और चेतन का है जो क्रमश: 6 /14,5 /14 और 3 /14 के अनुपात में लाभ व हानि का विभाजन करते हैं।

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

दायित्व (Liabilities)		राशि (Amount) ₹	परिसम्पत्तियाँ (Assets)	राशि (Amount) ₹
लेनदार (Creditors)		9,000	भूमि और भवन (Land and Buildings)	24,000
देय-विपत्र (Bills Payable)		3,000	फर्नीचर (Furniture)	3,500
पूँजी खाते (Capital Accounts) :			स्टॉक (Stock)	14,000
अरुण (Arun)	19,000		देनदार (Debtors)	12,600
बबलू (Bablu)	16,000		रोकड़ (Cash)	900
चेतन (Chetan)	8,000	43,000		
		55,000		55,000

वे दीपक को लाभ में 1/8 भाग के लिए निम्न शर्तों पर साझेदारी फर्म में प्रवेश देते हैं:

(i) दीपक ₹ 4,200 ख्याति और ₹ 7,000 पूँजी के रूप में लाएगा।

(ii) फर्नीचर में 12% की दर से कमी आएगी।

(iii) स्टॉक में 10% की दर से कमी आएगी।

(iv) 5% की दर से संदिग्ध ऋणों पर प्रावधान बनाया जाएगा।

(v) भूमि और भवन को ₹ 31,000 तक लाने हेतु वृद्धि होगी।

(vi) समस्त समायोजनों के पश्चात् पुराने साझेदारों के पूँजी खातों को (जो पुराने अनुपात में लाभों का विभाजन करेंगे) दीपक द्वारा व्यवसाय में लगाई गई पूँजी के आधार पर समायोजित किया जाएगा, अर्थात् पुराने साझेदारों द्वारा वास्तविक धनराशि लेकर आना अथवा आहरण, जैसी भी स्थिति हो।

रोकड़ खाता, लाभ व हानि समायोजन खाता (पुनर्मूल्यांकन खाता) और नयी फर्म का प्रारिम्भक तुलन-पत्र तैयार करें।

उत्तर –

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

Books of Arun, Bablu, Chetan and Deepak
Profit and Loss Adjustment Account
(Revaluation Account)

Dr. **Cr.**

Particulars		Amount ₹	Particulars	Amount ₹
To Furniture		420	By Land and Buildings	7,000
To Stock		1,400		
To Provision for Doubtful Debts		630		
To Profit on revaluation transferred to :				
Arun's Capital A/c	1,950			
Bablu's Capital A/c	1,625			
Chetan's Capital A/c	975	4,550		
		7,000		7,000

Dr. **Cash Account** **Cr.**

Particulars	Amount ₹	Particulars	Amount ₹
To Balance b/d	900	By Arun's Capital A/c	1,750
To Chetan's Capital	625	By Bablu's Capital A/c	1,625
To Deepak's Capital	7,000	By Balance c/d	9,350
To Premium for Goodwill	4,200		
	12,725		12,725

Balance Sheet
as on .....

Liabilities		Amount ₹	Assets		Amount ₹
Creditors		9,000	Land and Buildings		31,000
Bills Payable		3,000	Furniture		3,080
Capital Accounts :			Stock		12,600
Arun	21,000		Debtors	12,600	
Bablu	17,500		*Less* : Provision for Doubtful Debts	630	11,970
Chetan	10,500		Cash		9,350
Deepak	7,000	56,000			
		68,000			68,000

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

Working Notes :

(1)

Dr. **Partners' Capital Accounts** **Cr.**

Particulars	Arun ₹	Bablu ₹	Chetan ₹	Deepak ₹	Particulars	Arun ₹	Bablu ₹	Chetan ₹	Deepak ₹
To Cash A/c	1,750	1,625	–	–	By Balance b/d	19,000	16,000	8,000	–
To Balance c/d	21,000	17,500	10,500	7,000	By Cash A/c	–	–	–	7,000
					By Premium for Goodwill	1,800	1,500	900	–
					By Revaluation (Profit)	1,950	1,625	975	–
					By Cash A/c	–	–	625	–
	22,750	19,125	10,500	7,000		22,750	19,125	10,500	7,000

(2) नये लाभ विभाजन अनुपात की गणना:

माना कुल भाग = 1, दीपक का भाग = $\frac{1}{8}$

अत: शेष भाग = $1 - \frac{1}{8} = \frac{7}{8}$

अरुण का नया भाग = $\frac{7}{8} \times \frac{6}{14} = \frac{42}{112}$

बबलू का नया भाग = $\frac{7}{8} \times \frac{5}{14} = \frac{35}{112}$

चेतन का नया भाग = $\frac{7}{8} \times \frac{3}{14} = \frac{21}{112}$

अत: अरुण, बबलू, चेतन तथा दीपक का नया लाभ विभाजन अनुपात =

$$\frac{42}{112} : \frac{35}{112} : \frac{21}{112} : \frac{1}{8} \text{ or } \frac{14}{112} = \frac{6}{16} : \frac{5}{16} : \frac{3}{16} : \frac{2}{16} = \mathbf{6 : 5 : 3 : 2}$$

(3) दीपक की पूँजी के आधार पर अन्य साझेदारों की पूँजी का समायोजन-

$\frac{1}{8}$ भाग के लिए दीपक की पूँजी = ₹ 7,000

अत: नई फर्म की कुल पूँजी होगी = $7,000 \times \frac{8}{1}$ = ₹ 56,000

अरुण की पूँजी = $56,000 \times \frac{6}{16}$ = ₹ 21,000

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

$$\text{बबलू की पूँजी} = 56,000 \times \frac{5}{16} = ₹\ 17,500$$

$$\text{चेतन की पूँजी} = 56,000 \times \frac{3}{16} = ₹\ 10,500$$

पूँजी के समायोजन हेतु अरुण एवं बबलू अधिक पूँजी का आहरण करेंगे तथा चेतन अतिरिक्त पूँजी नकद लाकर पूँजी की कमी को पूरा करेगा।

प्रश्न 34 आजाद और बबली साझेदार हैं तथा लाभ व हानि का बँटवारा 2: 1 के अनुपात में करते हैं।चिन्तन लाभों में 1 / 4 भाग के लिए प्रवेश लेता है।चिन्तन ₹ 30,000 पूँजी लाएगा और आजाद और बबली की पूँजी लाभ विभाजन अनुपात पर समायोजित होगी।चिन्तन के प्रवेश से पूर्व 31 मार्च, 2017 को आजाद और बबली का तुलन पत्र इस प्रकार है:

31 मार्च, 2017 को आजाद और बबली का तुलन पत्र (Balance Sheet)

दायित्व (Liabilities)		राशि (Amount) ₹	परिसम्पत्तियाँ (Assets)	राशि (Amount) ₹
लेनदार (Creditors)		8,000	हस्तस्थ रोकड़ (Cash in Hand)	2,000
देय विपत्र (Bills Payable)		4,000	बैंकस्थ रोकड़ (Cash at Bank)	10,000
सामान्य संचय (General Reserve)		6,000	विविध देनदार (Sundry Debtors)	8,000
पूँजी खाते (Capital A/cs) :			स्टॉक (Stock)	10,000
आजाद (Azad)	50,000		फर्नीचर (Furniture)	5,000
बबली (Babli)	32,000	82,000	मशीनरी (Machinery)	25,000
			भवन (Buildings)	40,000
		1,00,000		1,00,000

यह सहमति हुई है कि :

(i) चिन्तन ₹ 12,000 ख्याति में अपने भाग के लिये लाएगा।

(ii) भवन का मूल्य ₹ 45,000 और मशीनरी का मूल्य ₹ 23,000 है।

(iii) देनदारों पर 6% की दर से संदिग्ध ऋणों पर प्रावधान बनाएँ।

(iv) आजाद और बबली के पूँजी खाते को चालू खाते से समायोजित करें।

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

आवश्यक रोजनामचा प्रविष्टियाँ दें और नयी फर्म के तुलन पत्र सहित आवश्यक खाते तैयार करें।

उत्तर –

Books of Azad, Babli and Chintan
Journal

Date	Particulars	L. F.	Amount Dr.	Amount Cr.
			₹	₹
2017 Mar. 31	Bank A/c Dr.		42,000	
	To Chintan's Capital A/c			30,000
	To Premium for Goodwill A/c			12,000
	(Chintan brought Capital and Premium for Goodwill for 1/4 share of profit)			
	Premium for Goodwill A/c Dr.		12,000	
	To Azad's Capital A/c			8,000
	To Babli's Capital A/c			4,000
	(Goodwill brought by Chintan credited to old partners' capital accounts in their sacrificing ratio i.e. 2 : 1)			
	General Reserve A/c Dr.		6,000	
	To Azad's Capital A/c			4,000
	To Babli's Capital A/c			2,000
	(General reserve distributed between old partners)			
	Building A/c Dr.		5,000	
	To Revaluation A/c			5,000
	(Increase in value of Building adjusted)			
	Revaluation A/c Dr.		2,480	
	To Machinery A/c			2,000
	To Provision for Doubtful Debts			480
	(Decrease in value of machinery adjusted and Provision for Doubtful Debts created)			
	Revaluation A/c Dr.		2,520	
	To Azad's Capital A/c			1,680
	To Babli's Capital A/c			840
	(Profit on revaluation transferred to Azad and Babli's Capital Account)			
	Azad's Capital A/c Dr.		3,680	
	To Azad's Current A/c			3,680
	(Excess of Capital transferred to Current Account)			
	Babli's Capital A/c Dr.		8,840	
	To Babli's Current A/c			8,840
	(Excess of Capital transferred to Current Account)			

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

Dr. **Partners' Capital Accounts** **Cr.**

Particulars	Azad ₹	Babli ₹	Chintan ₹	Particulars	Azad ₹	Babli ₹	Chintan ₹
To Current A/c	3,680	8,840	–	By Balance b/d	50,000	32,000	–
To Balance c/d	60,000	30,000	30,000	By Bank	–	–	30,000
				By Premium for Goodwill	8,000	4,000	–
				By General Reserve	4,000	2,000	–
				By Revaluation	1,680	840	–
	63,680	38,840	30,000		63,680	38,840	30,000

Dr. **Revaluation Account** **Cr.**

Particulars		Amount ₹	Particulars	Amount ₹
To Machinery		2,000	By Building	5,000
To Provision for Doubtful Debts		480		
To Profit transferred to :				
Azad's Capital A/c	1,680			
Babli's Capital A/c	840	2,520		
		5,000		5,000

Balance Sheet
as on 31 March, 2017

Liabilities		Amount ₹	Assets		Amount ₹
Creditors		8,000	Cash in Hand		2,000
Bills Payable		4,000	Cash at Bank (10,000 + 42,000)		52,000
Current Accounts :			Sundry Debtors	8,000	
Azad	3,680		*Less* : Provision for Doubtful Debts	480	7,520
Babli	8,840	12,520	Stock		10,000
Capital Accounts :			Furniture		5,000
Azad	60,000		Machinery		23,000
Babli	30,000		Building		45,000
Chintan	30,000	1,20,000			
		1,44,520			1,44,520

Working Notes :

(1) नये लाभ विभाजन अनुपात की गणना:

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

माना कुल लाभ = 1, चिन्तन का हिस्सा = $\frac{1}{4}$

शेष भाग = $1 - \frac{1}{4} = \frac{3}{4}$

आजाद का नया अनुपात = $\frac{3}{4} \times \frac{2}{3} = \frac{6}{12}$

बबली का नया अनुपात = $\frac{3}{4} \times \frac{1}{3} = \frac{3}{12}$

आजाद, बबली तथा चिन्तन का नया लाभ विभाजन अनुपात =

$$\frac{6}{12} : \frac{3}{12} : \frac{1}{4} = \frac{6:3:3}{12}$$
$$= 6:3:3 \text{ or } 2:1:1$$

(2) आजाद एवं बबली की पूँजी की गणना:

$\frac{1}{4}$ भाग के लिए चिन्तन पूँजी लाता है = ₹ 30,000

अत: नई फर्म की कुल पूँजी होगी = $30,000 \times \frac{4}{1}$ = ₹ 1,20,000

आजाद की पूँजी होगी = $1,20,000 \times \frac{2}{4}$ = ₹ 60,000

बबली की पूँजी होगी = $1,20,000 \times \frac{1}{4}$ = ₹ 30,000

प्रश्न 35 आशीष और दत्ता फर्म में साझेदार हैं तथा 3: 2 के अनुपात में लाभों का विभाजन करते हैं।01 अप्रैल, 2017 को वे 1/5 भाग के लिए विमल को फर्म में प्रवेश देते हैं।01 अप्रैल, 2017 को आशीष और दत्ता का तुलन पत्र इस प्रकार है:

उत्तर –

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

Balance Sheet
as on 31 March, 2017

Liabilities		Amount ₹	Assets		Amount ₹
Creditors		8,000	Cash in Hand		2,000
Bills Payable		4,000	Cash at Bank (10,000 + 42,000)		52,000
Current Accounts			Sundry Debtors	8,000	
Azad	3,680		*Less* : Provision for		
Babli	8,840	12,520	Doubtful Debts	480	7,520
Capital Accounts :			Stock		10,000
Azad	60,000		Furniture		5,000
Babli	30,000		Machinery		23,000
Chintan	30,000	1,20,000	Building		45,000
		1,44,520			1,44,520

Working Notes :

(1) नये लाभ विभाजन अनुपात की गणना:

माना कुल लाभ = 1 , चिन्तन का हिस्सा =1/4

शेष भाग = 1- 1/4= ¾

भाजाद का नया अनुपात = $\frac{3}{4} \times \frac{2}{3} = \frac{6}{12}$

तबली का नया अनुपात = $\frac{3}{4} \times \frac{1}{3} = \frac{3}{12}$

आजाद, बबली तथा चिन्तन का नया लाभ विभाजन अनुपात =

$$\frac{6}{12} : \frac{3}{12} : \frac{1}{4} = \frac{6:3:3}{12}$$

$$= 6 : 3 : 3 \text{ or } 2 : 1 : 1$$

(2) आजाद एवं बबली की पूँजी की गणना:

1/4 भाग के लिए चिन्तन पूँजी लाता है = ₹ 30,000

अतः नई फर्म की कुल पूँजी होगी = 30,000 × 4/1= ₹ 1,20,000

आजाद की पूँजी होगी = 1,20,000 × 2/4 = ₹ 60,000

बबली की पूँजी होगी = 1,20,000 × 1/4 = ₹ 30,000

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

SHIVOM CLASSES
8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)